छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

जिले का प्रथम दैनिक समाचार पत्र स्थापना वर्ष 2020

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | गौरेला पेंड्रा मरवाही, मंगलवार 29 सितंबर 2026 | वर्ष-07, अंक-90 पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

सीजेआई को पूर्व नेवी चीफ-अफसरों समेत 2000 लोगों की चिट्ठी:कहा-एसआईआर की वैधता और प्रक्रिया के रिव्यू होने तक इस पर रोक लगाई जाए

एजेंसी > नई दिल्ली

देश के 2 हजार से ज्यादा नागरिकों ने भारत के चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत को लेटर लिखकर स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी SIR पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही निर्वाचन आयोग की भूमिका पर स्वतः संज्ञान लेकर कार्यवाही शुरू करने की अपील की है। टर में कहा गया है- SIR की वैधता, प्रक्रिया की समीक्षा होने तक इसे रोकें। वोटर रजिस्ट्रेशन सॉफ्टवेयर और फॉर्म में कथित अनधिकृत बदलावों की कोर्ट की निगरानी

में जांच कराई जाए।मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार और अन्य अधिकारियों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई और ईसीआईनेट का सुप्रीम कोर्ट की नियुक्त स्वतंत्र विशेषज्ञ समिति से सिक्योरिटी और लीगल ऑडिट कराने की मांग भी की गई है।लेटर पर दस्तखत करने वालों में पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल विष्णु भागवत, पूर्व आईएएस अधिकारी अदिति मेहता, वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण, इतिहासकार आदित्य मुखर्जी और अभिनेता प्रकाश राज सहित शिक्षाविद, वकील, पत्रकार और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हैं।चुनाव आयोग ने शनिवार की बैठक में अपने कामकाज और चुनावी व्यवस्था से जुड़े 9 फैसले लिए। आयोग ने कहा कि बैठकों से पहले एजेंडा साझा किया जाएगा और बाद में फैसलों का रिकॉर्ड तैयार होगा। नए IT मॉड्यूल और पोर्टल को लागू करने से पहले उनकी समीक्षा भी की जाएगी।आयोग की बैठक में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार, दोनों निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी मौजूद रहे। अंदरूनी मतभेद के दावों के बीच आयोग ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण से जुड़े फैसले सर्वसम्मत से हुए थे।दरअसल, इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में दावा किया गया था।

न्यूज इन शॉर्ट

सरकारी अस्पताल में जन्मे बच्चे को CM विजय देंगे सोने की अंगुठी, तमिलनाडु में गोल्ड रिंग योजना लॉन्च

नई दिल्ली। तमिलनाडु सरकार नवजात बच्चों के लिए एक बेहद खास योजना शुरू करने जा रही है। सूबे के मुख्यमंत्री सी। जोसेफ विजय मदुरै के सरकारी अस्पताल में थाई मामन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी मामा की ओर से सोने की अंगूठी योजना का औपचारिक शुभारंभ करेंगे। सोमवार (28 सितंबर को मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में इस योजना की शुरुआत की जाएगी। थाई मामन थंगा मोथिरम थिट्टम के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी ।जानकारी के मुताबिक थाई मामन थंगा मोथिरम थिट्टमयोजना के तहत राज्य के सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी।

दुश्मन के खिलाफ साझा मोर्चा, कजाखिस्तान में भारतीय जांबाज दिखाएंगे दम, 11 अक्टूबर तक चलेगा सैन्य अभ्यास

नई दिल्ली। भारत और कजाखिस्तान की सेनाएं मिलकर आतंकवाद के खिलाफ ऑपरेशन की तैयारी करेंगी। इसी के तहत भारत की सैन्य टुकड़ी आज (सोमवार, 28 सितंबर) को कजाखिस्तान के ओस्केमेन के लिए रवाना हुई। यहां 28 सितंबर से 11 अक्टूबर तक कज़िंद-2026 (संयुक्त सैन्य अभ्यास होगा, जिसको लेकप पूरी तैयारियां कर ली गई हैं।

जानकारी के मुताबिक भारत-कजाकिस्तान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'कज़िंद' के नौवें संस्करण में भाग लेने के लिए भारत की 60 सदस्यीय सैन्य टुकड़ी ओस्केमेन गई है। इस अभ्यास में भारतीय दल में मुख्य रूप से गढ़वाल राइफल्स के जवान शामिल हैं। इसके अलावा दूसरी सैन्य शाखाओं और भारतीय वायुसेना के जवान भी हिस्सा ले रहे हैं। वहीं कजाखिस्तान की सेना भी लगभग इतनी ही संख्या में अपने सैनिकों को फोकस संयुक्त आतंकवाद विरोधी ऑपरेशन होगा।

86 शतक हो गए, सचिन तेंदुलकर से सिर्फ 14 और दूर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से फैंस का दिन बना दिया। 296 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली ने 88 गेंदों में नाबाद 139 रनों की तूफानी पारी खेली और भारत को 8 विकेट से आसान जीत दिलाई। अपनी इस पारी में उन्होंने 9 शानदार छक्के जड़े। एक वनडे पारी में कोहली ने कभी भी इतने छक्के नहीं लगाए थे। इस विस्फोटक शतक के साथ ही उनके खाते में 55 वनडे शतक और कुल 86 अंतरराष्ट्रीय शतक दर्ज हो चुके हैं। जिसके बाद क्रिकेट जगत में एक बार फिर सचिन तेंदुलकर के 100 शतकों के सर्वकालिक रिकॉर्ड को तोड़ने की चर्चाएं तेज हो गई हैं ।विराट कोहली के इस नए और आक्रामक रवैये पर उनके पूर्व साथी खिलाड़ी अजिंक्य रहाणे ने बड़ा बयान दिया है। रहाणे का मानना है कि यदि कोहली 100 शतकों के रिकॉर्ड तक पहुंचने का मन बना लें तो उनके लिए यह बिल्कुल असंभव नहीं है।

संकट की इस घड़ी में हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है सरकार - मुख्यमंत्री श्री साय

बस्तर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पहुंचे मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, प्रभावित परिवारों से मिलकर जाना हाल

एक सत बुलेटिन > रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज बस्तर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर जमीनी स्थिति का जायजा लिया। मुख्यमंत्री श्री साय जगदलपुर नगर निगम क्षेत्र के डोंगाघाट पहुंचे और बाढ़ से प्रभावित परिवारों से आत्मीयतापूर्वक मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रभावित लोगों को आश्वस्त किया कि संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार उनके साथ पूरी संवेदनशीलता और तत्परता से खड़ी है तथा प्रत्येक प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाढ़ प्रभावित परिवारों को बड़ी राहत देते हुए शासन के प्रावधानों के तहत मिलने वाली सहायता के अतिरिक्त प्रत्येक प्रभावित परिवार को मुख्यमंत्री राहत कोष से ?10-10 हजार की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि बाढ़ से हुई क्षति का सर्वे और आकलन तेजी से पूरा कर पात्र परिवारों तक शासन की सहायता शीघ्र पहुंचाई जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने डोंगाघाट में बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने प्रभावितों से बाढ़ के दौरान उत्पन्न परिस्थितियों, मकानों एवं घरेलू सामान को हुए नुकसान तथा वर्तमान में उपलब्ध कराई जा रही राहत के संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभावित परिवारों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हर जरूरी सहायता उपलब्ध कराएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न हो। भोजन, स्वच्छ पेयजल, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री प्रभावित लोगों तक समय पर पहुंचाई जाए। विशेष रूप से बच्चों, बुजुर्गों, महिलाओं तथा जरूरतमंद लोगों की आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए राहत

व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

इंद्रावती के जलस्तर और प्रभावित इलाकों का किया अवलोकन

मुख्यमंत्री श्री साय ने इंद्रावती पुल पहुंचकर नदी के जलस्तर तथा आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से जिले में बारिश एवं बाढ़ की स्थिति, प्रभावित गांवों और शहरी क्षेत्रों, राहत एवं बचाव कार्यों तथा प्रभावित परिवारों के लिए की गई व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जलस्तर में बदलाव और मौसम की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी जाए। निचले एवं संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरती जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर राहत एवं बचाव दलों को तत्काल सक्रिय किया जाए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा सर्वोपरि है और किसी भी आपात स्थिति में सहायता पहुंचाने की व्यवस्था पूरी तरह तैयार रहनी चाहिए। बाढ़ का पानी उतरने के बाद स्वास्थ्य और स्वच्छता पर विशेष ध्यान

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि बाढ़ का पानी कम होने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से जुड़ी चुनौतियों पर विशेष ध्यान दिया जाए। लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। जलस्रोतों की सफाई एवं आवश्यक उपचार के साथ जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमों को सक्रिय रखा जाए। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार स्वास्थ्य शिविर लगाने, दवाइयों की पर्याप्त उपलब्धता रखने और बीमारी के किसी भी संभावित प्रकोप पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहत कार्य केवल बाढ़ का पानी उतरने तक सीमित न रहें, बल्कि प्रभावित परिवारों के जीवन को सामान्य बनाने तक आवश्यक व्यवस्थाएं प्रभावी रूप से जारी रहें। मकान, फसल और पशुधन की क्षति का शीघ्र हो आकलन मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को बाढ़ से क्षतिग्रस्त मकानों, फसलों, पशुधन और अन्य संपत्तियों का संवेदनशीलता एवं पारदर्शिता के साथ सर्वे करने के निर्देश दिए।

यूपी में बारिश से 8 नदियां उफान पर; बिहार के 2 जिलों में बाढ़, 82 हजार लोग प्रभावित

हिमाचल के शिमला में लैंडस्लाइड

एजेंसी > नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश में 4 दिनों से लगातार बारिश के कारण कई नदियां उफान पर हैं। गोंडा और बदायूं में छोटे पुलों के ऊपर से पानी बह रहा है। आंधी-बारिश से पिछले 2 दिनों में 63 लोगों की मौत हुई है।प्रदेश में 8 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। कुशीनगर में 2 गांवों के 1,400 परिवार प्रभावित हैं। राज्य के 46 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है।हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सोमवार सुबह जंगलिख पुल के पास लैंडस्लाइड हो गया। 100 फीट से ज्यादा ऊंचा पहाड़ करीब 25 से 26 सेकेंड तक गिरता रहा। पहाड़ का मलबा सड़क पर आ जाने से सड़क बंद हो गई है।वहीं, नेपाल से गंडक नदी में पानी छोड़े जाने के बाद बिहार के पश्चिम चंपारण और सुपौल के 23 गांवों में बाढ़ आ गई। बाढ़ से करीब 82 हजार लोग प्रभावित हुए हैं।छत्तीसगढ़ में हो रही भारी बारिश से महाराष्ट्र के गढ़चिरौली के कई इलाकों में बाढ़ के हालात हैं। मध्य प्रदेश के जबलपुर, सागर, शहडोल और रीवा संभाग में तीन दिनों से बारिश हो रही है।

हिमाचल प्रदेश के शिमला में पहाड़ गिरा

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले में सोमवार सुबह पहाड़ गिर गया। रोहडू के छोहारा ब्लॉक में जंगलिख पुल के पास 100 फीट से ज्यादा ऊंचा पहाड़ करीब 25 से 26 सेकेंड तक गिरता रहा। पहाड़ का मलबा सड़क पर आ जाने से गांव का रास्ता बंद हो गया

छत्तीसगढ़ में पटरियां हवा में लटकीं

छत्तीसगढ़ में बारिश के बाद मल्लीगुड़ा और छत्रीपुट रेलवे स्टेशनों के बीच लैंडस्लाइड के चलते पटरियां हवा में लटक रही हैं।इस रूट की सभी पैसेंजर और मालगाड़ी ट्रेनें रद्द कर दी गई हैं। रेलवे को करोड़ों का नुकसान होने की आशंका है।

बंगाल में 15 साल में 6700 कंपनियां बंद! नितिन नवीन ने TMC राज पर उठाए सवाल

एजेंसी > नई दिल्ली

नितिन नवीन ने बंगाल में 15 साल के भ्रष्ट शासन के दौरान 6700 कंपनियां बंद होने और पूंजी पलायन का दावा किया। उन्होंने कहा कि पहले युवा बंगाल में रोजगार के लिए आते थे। बंगाल को अपना गौरव वापस मिलेगा,भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 15 साल के टीएमसी राज में पूंजी का पलायन हुआ और करीब 6,700 कंपनियां बंद हो गईं, और कहा कि भाजपा सरकार की प्राथमिकता राज्य में इन्वेस्टमेंट-फ्रेंडली माहौल बनाना होगी। कोलकाता में 'युवा संवाद कॉन्क्लेव' को संबोधित करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार राज्य के युवाओं के लिए रोजगार के मौके

पैदा करने पर फोकस करेगी।अंतिम जोहार वॉट्सऐप पर आखिरी स्टेटस, फिर मैनेजर और पत्नी ने दी जान, 2 दिन पहले बच्चों को देख रुक गए थेनितिन नवीन ने कहा कि 4 मई को पश्चिम बंगाल में ÷एक नई सुबह आई÷, जब भाजपा ने विधानसभा चुनाव में टीएमसी को हराया, और युवाओं की उम्मीदें पूरी होंगी।

मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा उपहार मेरे पापा

एजेंसी > नई दिल्ली

जाने-माने उद्योगपति और वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल हाल ही में ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में थे। यहां पर पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने वेदांता समूह के भविष्य को लेकर कुछ महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा है कि वेदांता को जल्द ही नया और युवा नेतृत्व मिलने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अनिल अग्रवाल ने अपनी इकलौती बेटी प्रिया अग्रवाल हेब्बर को अपना उत्तराधिकारी बताया है। यह भी कहा है कि वह बहुत जल्द लोगों के बीच अधिक सक्रिय भूमिका में नजर आएंगी। अनिल अग्रवाल हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रिया को कौन-सी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, लेकिन उनके

इस बयान को समूह में नेतृत्व हस्तांतरण की दिशा में एक बड़े संकेत के रूप में देखा जा रहा है।अनिल अग्रवाल ने रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वेदांता ग्रुप आने वाली पीढ़ियों के लिए भी काम कर रहा है।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और थल सेना प्रमुख भी नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे

29 सितंबर से नौसेना कमांडर्स कॉन्फ्रेंस, ऑपरेशनल तैयारियों और भविष्य की जंग पर होगा मंथन

एजेंसी > नई दिल्ली

बैठक में एआई जैसी नई तकनीकों को अपनाने, तीनों सेनाओं में तालमेल बढ़ाने और जय (सिद्धांत पर जोर देते हुए आत्मनिर्भरता व इनोवेशन के माध्यम से नौसेना की युद्धक क्षमता को मजबूत करने पर चर्चा होगी।भारतीय नौसेना की साल 2026 की दूसरी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस 29 सितंबर से 1 अक्टूबर तक नई दिल्ली के

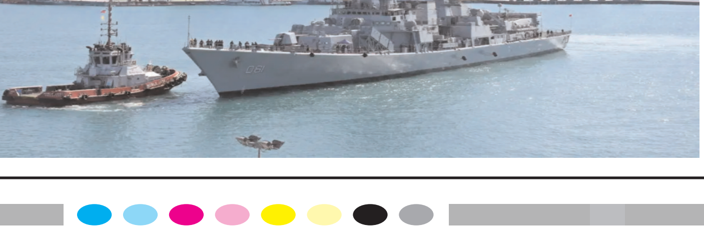

बैठक में ऊर्जा सुरक्षा सबसे बड़ा मुद्दा

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत की ऊर्जा सुरक्षा भी कॉन्फ्रेंस का एक अहम मुद्दा होगा। भारतीय नौसेना की ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा के तहत जारी गतिविधियों और समुद्री क्षेत्र में उसकी भूमिका की भी समीक्षा की जाएगी ।कॉन्फ्रेंस के पहले दिन रक्षा मंत्री नौसेना के शीर्ष कमांडरों को संबोधित करेंगे और देश की समुद्री सुरक्षा को लेकर सरकार की प्राथमिकताओं और नौसेना से अपेक्षाओं पर अपना विजन साझा करेंगे। वहीं, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ और थल सेना प्रमुख भी नौसेना कमांडरों के साथ बातचीत करेंगे।

न्यूज इन शॉर्ट

राज्य स्तरीय रोजगार मेला रायपुर में 7 एवं 8 अक्टूबर को

गौरेला–पेंड्रा–मरवाही, प्रदेश के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 7 एवं 8 अक्टूबर 2026 को सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम रायपुर में दो दिवसीय राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। 8 अक्टूबर को प्रस्तावित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की उपस्थिति में चयनित अभ्यर्थियों को ऑफर लेटर भी प्रदान किए जाएंगे। राज्य स्तरीय रोजगार मेले के लिए अब तक 36 नियोजकों एवं प्लेसमेंट एजेंसियों से 8,720 रिक्तियां प्राप्त हुई हैं। इनमें क्वेस कॉर्प, रैंडस्टैड इंडिया, वर्धमान टेक्सटाइल्स, राजस्थान टेक्सटाइल मिल्स–सतलुज टेक्सटाइल्स, जीनस पावर इंफ्रास्ट्रक्चर, एयरटेल पेमेंट्स बैंक, इंस्टाकार्ट, एनआईआईटी, आईसेक्ट सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थान शामिल हैं। रोजगार मेले में तकनीकी एवं गैर–तकनीकी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। 10वीं, 12वीं, आईटीआई, डिप्लोमा, इंजीनियरिंग, स्नातक एवं स्नातकोत्तर योग्यताधारी युवा अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकेंगे। जिला प्रशासन द्वारा जिले के पात्र युवाओं से रोजगार मेले में अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता की अपील की गई है। इसके लिए महाविद्यालयों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से युवाओं को जानकारी देकर प्रेरित किया जाएगा। इच्छुक एवं पात्र युवा ई–रोजगार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर राज्य स्तरीय रोजगार मेले में शामिल हो सकते हैं। इसके साथ ही जिले में हाल ही में आयोजित रोजगार मेलों, प्लेसमेंट कैंपों एवं अन्य नियोजन गतिविधियों में चयनित युवाओं को भी 8 अक्टूबर के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि पात्र चयनित युवाओं को कार्यक्रम के दौरान ऑफर लेटर प्रदान किए जा सकें।

एलपीजी उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए प्रशासन ने की वैकल्पिक व्यवस्था

गौरेला–पेंड्रा–मरवाही, जिले में एलपीजी उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं सुचारू गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन एवं इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं की गई हैं। सियाराम गैस एजेंसी गौरेला की सेवाओं एवं गैस वितरण के संबंध में प्राप्त शिकायतों को ध्यान में रखते हुए उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। इसके तहत सियाराम गैस एजेंसी से संबंधित उपभोक्ताओं की ऑनलाइन बुकिंग को जिले के क्षेत्र की समीपस्थ गैस एजेंसियों में नियमित रूप से ट्रांसफर किया जा रहा है। इसकी सूचना संबंधित उपभोक्ताओं को कंपनी द्वारा उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर स्वचालित संदेश के माध्यम से दी जा रही है। आवश्यकतानुसार गैस कनेक्शन भी समीपस्थ एजेंसियों में स्थानांतरित किए जा रहे हैं।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि संबंधित गैस एजेंसियों को ट्रांसफर की गई बुकिंग स्वीकार कर निर्धारित समय–सीमा में सिलेंडरों की होम डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। वैकल्पिक व्यवस्था के माध्यम से गैस सिलेंडरों का वितरण सुचारू रूप से जारी है। जिला प्रशासन ने उपभोक्ताओं से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और आश्वस्त रहने की अपील की है। घरेलू गैस की निरंतर आपूर्ति बनाए रखने के लिए पर्याप्त वैकल्पिक प्रबंध किए गए हैं। गैस बुकिंग अथवा रिफिल प्राप्त करने में किसी प्रकार की असुविधा होने पर उपभोक्ता गैस कंपनी के राष्ट्रीय टोल–फ्री नंबर 1800–2333–555 पर शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

गौरेला में सेवा संकल्प अभियान के तहत 142 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

गौरेला में विकासखंड स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया

एक सत बुलेटिन > गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत आज मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गौरेला में विकासखंड स्तरीय भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री मुकेश दुबे थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री उपेंद्र सिंह ठाकुर ने की। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती ऊषा शर्मा के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री प्रकाश नामदेव, श्री पार्थो चटर्जी, श्री कुलदीप सिंह धीरज, श्रीमती अलका ताम्रकार, श्रीमती माया राठौर एवं पार्षद श्री मनोज विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मध्य जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी एवं खंड समन्वयक श्री सोनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति, सामाजिक सरोकार, सेवा भावना एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस विकासखंड स्तरीय आयोजन में 30 संकुलों के कुल 142 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इनमें भाषण प्रतियोगिता में 65 तथा चित्रकला प्रतियोगिता में 77 छात्र-छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों के साथ उनके मार्गदर्शक शिक्षक भी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए निर्णायक मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। चित्रकला प्रतियोगिता के

निर्णायक के रूप में श्रीमती अर्चना राजपूत, श्री यशवंत यादव एवं श्री मोतीलाल राठौर तथा भाषण प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में श्री एस.एल. साय तोड़ें, श्री विकास त्यागी एवं श्रीमती राजकुमारी सोनी ने अपनी सेवाएं प्रदान कीं। कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम प्रभारी श्री नरेश कुमार पात्रे एवं श्रीमती शोभा पाठक द्वारा किया गया। दोनों ने कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों को क्रमबद्ध एवं प्रभावी ढंग से संचालित करते हुए आयोजन

को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने विद्यार्थियों की प्रतिभा एवं उत्साह की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। आयोजन में मिश्री देवी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय परिवार एवं आयोजन से जुड़े सभी शिक्षकों और सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत आयोजित यह कार्यक्रम विद्यार्थियों की प्रतिभा, सृजनात्मकता और सेवा भावना को मंच प्रदान करने वाला प्रेरणादायी आयोजन रहा।

मनेन्द्रगढ़ में कवरेज करने गए पत्रकार से अभद्रता, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी; झूठे मामले में फंसाने की साजिश!

एक सत बुलेटिन > मनेन्द्रगढ़

लोकतंत्र के चौथे स्तंभ कहे जाने वाले पत्रकारों पर हमला और अभद्रता के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला मनेन्द्रगढ़ के टैक्सी स्टैंड क्षेत्र से सामने आया है, जहाँ निष्पक्ष पत्रकारिता और जमीनी कवरेज करने पहुंचे स्थानीय पत्रकार सतेन्द्र गुप्ता के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा सरेआम गाली-गलौज, मारपीट का प्रयास और मारने की धमकी दी गई।

यह घटना न केवल एक पत्रकार पर हमला है, बल्कि पूरी पत्रकारिता बिरादरी की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की आजादी पर एक सीधा प्रहार है।

कवरेज से बौखलाए दबंग, मोबाइल छीनने की कोशिश

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित पत्रकार सतेन्द्र गुप्ता जब मनेन्द्रगढ़ टैक्सी स्टैंड के पास जनहित से जुड़े विषय और वहां चल रही कथित अवैध गतिविधियों की न्यूज कवरेज व वीडियो रिकॉर्डिंग कर रहे थे, तभी वहां मौजूद सहनवाज अल्लू और उसका साथी इकबाल आपा खो बैठे। पत्रकार को सच्चाई उजागर करते देख आरोपियों ने कवरेज रोकने की नीयत से उनके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया, गाली-गलौज की और उनका मोबाइल छीनने तथा मारपीट करने का प्रयास किया।

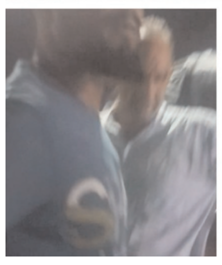

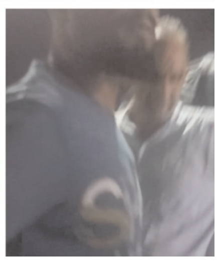

झूठे केस में फंसा देंग– दबंगों ने दी खुली धमकी

घटना के दौरान जब पत्रकार ने अपना दायित्व निभाने की बात कही, तो आरोपी इकबाल और सहनवाज अल्लू ने खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि वे पत्रकार के खिलाफ झूठी शिकायत दर्ज कराकर उन्हें गंभीर एवं झूठे मामलों में फंसा देंगे। इतना ही नहीं, आरोपियों ने पत्रकार को ÷बाद में देख लेने÷ और जान से मार डालने की धमकी भी दी, जिससे पीड़ित पत्रकार गहरे मानसिक तनाव और भय के साये में है।

सिटी कोतवाली मनेन्द्रगढ़ में लिखित शिकायत, कड़ी कार्रवाई की मांग इस दबंगई से डरे बिना पत्रकार सतेन्द्र गुप्ता ने मामले की गंभीरता को देखते हुए सिटी कोतवाली थाना प्रभारी को लिखित आवेदन सौंपकर त्वरित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में निष्पक्ष जांच कर आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त धाराओं में मामला दर्ज करने तथा पत्रकार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की गुहार लगाई गई है। मामले में चश्मदीदों/गवाहों के नाम भी सामने आए हैं। बड़ा सवाल– अगर पत्रकार ही सुरक्षित नहीं, तो जनता की आवाज कौन उठाएगा? इस पूरे घटनाक्रम ने प्रशासन और पुलिस व्यवस्था पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं– सुरक्षा का सवाल– यदि कोई पत्रकार समाज की कुरीतियों, अवैध गतिविधियों या जमीनी समस्याओं को कवर करने जाता है, तो क्या उसके साथ बदसलूकी, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी दी जाएगी कानून का डर खत्म– सरेआम पत्रकार को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देना यह दर्शाता है कि असामाजिक तत्वों में कानून का कोई भय नहीं रह गया है।

वोट चोरी और विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन, मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पुतला दहन कर कलेक्टर कार्यालय का किया घेराव

मनेन्द्रगढ़, । प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर द्वारा आज लोकतंत्र, मतदाता अधिकारों, कथित 'वोट चोरी' एवं स्ढ्ढक्रसे जुड़े मुद्दों को लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया गया। कांग्रेसजनों ने कलेक्टर कार्यालय के पूर्व निर्धारित धरना स्थल पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन किया तथा इसके पश्चात कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर अपनी मांगों को लेकर आवाज बुलंद की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं मतदाता अधिकारों की रक्षा की मांग उठाई। नेताओं ने कहा कि मतदाता सूची एवं स्ढ्ढक्रसे जुड़े विषयों पर विपक्षी दलों और आम मतदाताओं द्वारा उठाए जा रहे सवालों का पारदर्शी एवं सार्वजनिक रूप से संतोषजनक समाधान होना चाहिए।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव ने कहा कि लोकतंत्र में चुनावी प्रक्रिया पर जनता का विश्वास सर्वोपरि है। मतदाता सूची, स्ढ्ढक्रऔर निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े किसी भी सवाल का समाधान पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। कांग्रेस लोकतांत्रिक संस्थाओं की मजबूती और मतदाता अधिकारों की रक्षा के लिए लगातार आवाज उठाती रहेगी। मनेन्द्रगढ़ विधानसभा प्रत्याशी रमेश सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत मतदाता है। यदि मतदाता अपने अधिकारों और चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठा रहे हैं तो उन सवालों को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है।

नमो सेवा गाथा के तहत नुक्कड़ नाटकों से दिया जनजागरूकता का संदेश

एक सत बुलेटिन > गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ÷नमो सेवा गाथा÷ की पहल के तहत शिक्षा एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आज जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्षों की सेवा यात्रा एवं जनकल्याणकारी प्रयासों के साथ ही विभिन्न सामाजिक सरोकारों के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। अभियान के तहत जनपद पंचायत पेंड्रा के ग्राम टंगियामार, जनपद पंचायत मरवाही के ग्राम उसाड़, बेलझरिया, चचेड़ी एवं मड़वाही तथा गौरेला विकासखंड के ग्राम पंचायत बस्ती में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। कलाकारों ने सरल संवाद, अभिनय और प्रभावी प्रस्तुतियों के माध्यम से सेवा एवं सामाजिक दायित्व का संदेश जन-जन तक पहुंचाया।

नुक्कड़ नाटकों में विशेष रूप से नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों को रोचक ढंग से प्रस्तुत किया गया। लोगों को नशे से दूर रहने, अपने घर एवं आसपास स्वच्छता बनाए रखने, पौधरोपण एवं पर्यावरण संरक्षण में सहभागिता निभाने तथा जल की प्रत्येक बूंद का सदुपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

सेवा संकल्प अभियान– गांगपुर जलाशय में स्वच्छता अभियान के साथ जल संरक्षण का दिया संदेश

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही,सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गौरेला जनपद के गांगपुर जलाशय एवं उसके आसपास स्वच्छता अभियान तथा जल स्रोत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग एवं पंचायत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाते हुए जल संरक्षण एवं स्वच्छता का संदेश दिया। अभियान के दौरान जलाशय परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। ग्रामीणों को जल स्रोतों को स्वच्छ एवं सुरक्षित रखने, जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने तथा वर्षा जल के संरक्षण एवं संवर्धन के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

खेतौली के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में हुआ आयोजन, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं सहित बच्चों और ग्रामीणों ने लिया नेवता भोज का लाभ

सेवा संकल्प अभियान में आंगन मिलन से गूंजा पोषण और स्वास्थ्य का संदेश

एक सत बुलेटिन > एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत खेतौली के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में आज आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन उत्साहपूर्ण एवं आत्मीय वातावरण में किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, शिक्षकों, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, बच्चों, गर्भवती एवं शिशुवती माताओं सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं की जानकारी देने के साथ स्वास्थ्य, पोषण एवं जनभागीदारी के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं अतिथियों के स्वागत के साथ हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सरपंच बाबूलाल मरावी, जनपद सदस्य धर्मपाल सिंह मरावी, प्राथमिक शाला शिक्षक मोहम्मद अशफाक खान एवं शिक्षिका श्रीमती सरस्वती चौधरी उपस्थित रहे। अतिथियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से संचालित विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों की जानकारी साझा की गई।

हर घर मुनगा, घर–घर मुनगा का दिया संदेश

कार्यक्रम के दौरान 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान के तहत मुनगा के महत्व और उसके पोषण संबंधी लाभों की जानकारी ग्रामीणों को दी गई। ग्रामीणों को बताया गया कि मुनगा पौष्टिकता से भरपूर है और इसे दैनिक आहार में शामिल कर परिवार के पोषण स्तर को बेहतर बनाने में योगदान दिया जा सकता है। इस दौरान ग्रामीणों को अपने घरों एवं आसपास मुनगा के पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों, बच्चों, गर्भवती माताओं, शिशुवती माताओं एवं ग्रामीणों के लिए नेवता भोज का आयोजन किया गया। सभी ने सामूहिक रूप से भोजन ग्रहण किया और सामुदायिक सहभागिता एवं अपनत्व का संदेश दिया। आंगन मिलन के माध्यम से बच्चों और माताओं के साथ संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़े विषयों पर भी जागरूकता बढ़ाई गई।

जनभागीदारी से हुआ मुनगा पौधरोपण, स्वस्थ और सुपोषित गांव का लिया संकल्प

कार्यक्रम के समापन से पूर्व सरपंच बाबूलाल मरावी एवं ग्रामीणों के साथ मुनगा पौधे का रोपण किया गया। पौधरोपण के माध्यम से ग्रामीणों को पर्यावरण संरक्षण के साथ पोषण संवर्धन का संदेश दिया गया। ग्रामीणों ने मुनगा पौधों की देखभाल करने और 'हर घर मुनगा, घर-घर मुनगा' अभियान को आगे बढ़ाने में सहभागिता का संकल्प लिया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम ने जनप्रतिनिधियों, विभागीय अमले और ग्रामीणों के बीच सहभागिता को मजबूत करने के साथ स्वास्थ्य, पोषण एवं जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन उपस्थित सभी अतिथियों, ग्रामीणों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

न्यूज इन शॉर्ट

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत मूल्यांकन परीक्षा में 1 हजार 109 शिक्षार्थियों ने लिया भाग

गरियाबंद। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के तहत राष्ट्रव्यापी बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान मूल्यांकन परीक्षा का आयोजन 27 सितंबर को जिले के सभी विकासखण्डों, ग्राम पंचायतों एवं वार्डों में राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण रायपुर के निर्देशानुसार किया गया। परीक्षा के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर श्री रणबीर शर्मा एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री प्रखर चंद्राकर के निर्देशन पर जिला परियोजना अधिकारी तथा संबंधित अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं।महापरीक्षा के लिए जिले में कुल 2 हजार 366 शिक्षार्थियों का पंजीयन कराया गया था। इनमें से 1 हजार 109 शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा में 718 महिला एवं 391 पुरुष शिक्षार्थी शामिल हुए। जिले में परीक्षा के लिए कुल 118 परीक्षा केन्द्र बनाए गए थे। जहां निर्धारित प्रक्रिया के तहत शिक्षार्थियों का मूल्यांकन किया गया। गरियाबंद जिले के उपजेल में भी महापरीक्षा का आयोजन किया गया। यहां कुल 17 पंजीकृत कैदियों में से 13 शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। उन्होंने परीक्षा देकर साक्षर बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया। परीक्षा के दौरान एसडीएम सुश्री हितेश्वरी बाघे, जिला शिक्षा अधिकारी श्री राजेश कुमार चन्द्राकर, जिला परियोजना अधिकारी श्री बुद्धविलास सिंह तथा विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी श्री गजेन्द्र ध्रुव सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

9वीं सांस्कृतिक संध्या में जिज्ञासा दुबे ने दी कथक की प्रस्तुति

रायगढ़। 41वें चक्रधर समारोह की 9वीं सांस्कृतिक संध्या में 9 वर्षीय बाल कलाकार जिज्ञासा दुबे ने कथक नृत्य की प्रस्तुति दी। जिज्ञासा ने अपनी आकर्षक प्रस्तुति से दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। कम उम्र में ही राष्ट्रीय एवं राज्यस्तरीय प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार हासिल कर चुकी जिज्ञासा के लिए चक्रधर समारोह के प्रतिष्ठित मंच पर प्रस्तुति देना खास अवसर रहा।

सरगुजा जिले में ग्रामसभा का आयोजन 02 अक्टूबर को

अम्बिकापुर। कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 6 (1) (क) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले के प्रत्येक ग्रामध्ग्राम पंचायतों में 02 अक्टूबर 2026 को ग्राम सभा आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 (ख) (3) के तहत विशेष ग्राम सभा में गणपूर्ति (कोरम) के साथ-साथ ग्राम सभा के सदस्यों की शत् प्रतिशत उपस्थिति कराने का दायित्व सरपंच, पंच एवं सचिव का होगा। ग्राम सभा की कार्यवाही छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 की धारा 129 ख (3) के अनुसार संचालित होगी।इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ सुश्री रोमा श्रीवास्तव ने जिले के सभी एसडीएम एवं जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को ग्रामसभा आयोजन के लिए स्थानीय स्तर पर तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही जनपद पंचायतवार प्रत्येक ग्रामों में ग्रामसभा आयोजित करने के लिए समय सारणी निर्धारित करने एवं स्थानीय अधिकारी-कर्मचारियों को विशेष जिम्मेदारी देने के निर्देश दिये है।उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देश पर छत्तीसगढ़ पंचायती राज अधिनियम 1993 की धारा 6 में ग्राम सभा का प्रत्येक तीन माह में कम से कम एक सम्मेलन आयोजित करने का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा सभी ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन 23 जनवरी, 14 अप्रैल, 20 अगस्त एवं 02 अक्टूबर के अतिरिक्त प्रतिवर्ष माह जून एवं नवम्बर में प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामसभा का आयोजन के निर्देश हैं। इसी तारतम्य में 02 अक्टूबर को ग्रामसभा का आयोजन जिले के सभी ग्राम पंचायतों में किया जाएगा और विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी।

तीनों विकास खंडों के 201 परीक्षा केंद्रों में शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई महापरीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित नवभारत साक्षरता महापरीक्षा जिले में उत्साहपूर्ण वातावरण के बीच शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिले के तीनों विकासखंडों मनेन्द्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर में निर्धारित परीक्षा केंद्रों पर शिक्षार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ महापरीक्षा में सहभागिता की। जिले में महापरीक्षा के लिए कुल 201 परीक्षा केंद्रों पर 2042 शिक्षार्थियों का पंजीयन किया गया था, जिनमें से 1909 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। महापरीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई तथा शिक्षार्थियों की सुविधा और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए संबंधित अधिकारियों, शिक्षकों, स्वयंसेवी शिक्षकों एवं मैदानी अमले ने सक्रिय भूमिका निभाई।

खड़गवां में सर्वाधिक 845 शिक्षार्थियों ने दी परीक्षा, मनेन्द्रगढ़ में 497 और भरतपुर में 567 की सहभागिता

जिले में आयोजित महापरीक्षा में विकासखंडवार भी उत्साहजनक सहभागिता देखने को मिली। मनेन्द्रगढ़ विकासखंड के 92 परीक्षा केंद्रों में 527 शिक्षार्थियों का पंजीयन हुआ, जिसमें 497 शिक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। खड़गवां विकासखंड के 72 परीक्षा केंद्रों में 922 शिक्षार्थियों का पंजीयन किया गया, जिनमें 845 शिक्षार्थियों ने महापरीक्षा दी। वहीं भरतपुर विकासखंड के 37 परीक्षा केंद्रों में 593 शिक्षार्थियों का पंजीयन हुआ और 567 शिक्षार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए। इस प्रकार जिलेभर में कुल 201 परीक्षा केंद्रों पर पंजीकृत 2042 शिक्षार्थियों में से 1909 ने परीक्षा देकर साक्षरता की दिशा में अपने सीखने के सफर को आगे बढ़ाया।

महापरीक्षा को लेकर जिला प्रशासन द्वारा पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। परीक्षा केंद्रों पर शिक्षार्थियों की उपस्थिति, बैठने की व्यवस्था और परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ स्वयंसेवी शिक्षकों और मैदानी अमले ने परीक्षा के सफल संचालन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। परीक्षा शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न होने से उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के प्रति जिले में दिखाई दे रही सामूहिक सहभागिता और जागरूकता भी सामने आई।

कलेक्टर ने कहा - साक्षरता आत्मविश्वास, जागरूकता और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने नवभारत साक्षरता महापरीक्षा के सफल आयोजन पर जिले के सभी शिक्षार्थियों, स्वयंसेवी शिक्षकों, शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि साक्षरता केवल पढ़ना-लिखना सीखने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति में आत्मविश्वास, जागरूकता और आत्मनिर्भरता विकसित करने का सशक्त माध्यम है। उल्लास नवभारत साक्षरता कार्यक्रम के माध्यम से जिले में साक्षरता के प्रसार को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास किया जा रहा है और महापरीक्षा में बड़ी संख्या में शिक्षार्थियों की सहभागिता इसी सामूहिक प्रयास का परिणाम है।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों एवं स्वयंसेवी शिक्षकों से कहा कि महापरीक्षा के बाद भी शिक्षार्थियों को निरंतर सीखने के अवसर उपलब्ध कराए जाएं तथा उन्हें दैनिक जीवन में पढ़ने-लिखने और गणना के ज्ञान का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाए, ताकि साक्षरता का वास्तविक लाभ उनके जीवन में दिखाई दे। वहीं जिला प्रशासन ने महापरीक्षा के सफल एवं शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी शिक्षार्थियों, स्वयंसेवी शिक्षकों, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों एवं आम नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बबीता और घासीप्रसाद के जीवन में खुशियों का माध्यम बना प्रधानमंत्री आवास

बबीता और घासीप्रसाद के जीवन में खुशियों का माध्यम बना प्रधानमंत्री आवास

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

युवा जीवन में सपनों को पंख लगते हैं और ज्यादा खुशी होती है जब उन्हे आकार मिल जाता है। कुछ ऐसा ही सुखद जीवन कोरिया जिले के ग्राम पंचायत टेंगनी में रहने वाले बबीता और घास प्रसाद के जीवन में भी हुआ है। अपने छोटे से परिवार के साथ रहने वाले दंपत्ति को अपने सपनों का आशियाना प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्राप्त हो गया है।

छोटा जीवन बड़े सपने

बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत टेंगनी में रहने वाले दंपत्ति बबीता और घासीप्रसाद एक छोटे से किराना दुकान का संचालन करते थे। बेहद कम मात्रा में कृषि भूमि होने से वह अपने लिए एक पक्के मकान की आस संजोए रहते थे। उनके दो बच्चे हैं जो काफी छोटे हैं। किराने की दुकान से उनका जीवन यापन तो हो रहा था लेकिन वह अपने लिए पक्के मकान का सपना संजोए हुए थे।

प्रधानमंत्री आवास से सपना हुआ हकीकत

घासीराम और बबीता के जीवन में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने एक बड़ा अवसर पैदा कर दिया है। पहले कच्चे के घर में रहकर किराने की दुकान चलाने में उन्हे बेहद परेषानी होती थी। ऐसे में कई सामान विक्रय के पहले ही खराब हो जाते थे। ऐसे में उन्हे जितनी आय होनी चाहिए थी वह होने के बजाए उनका नुकसान हो जाता था। प्रधानमंत्री आवास योजना में मिले मकान में उन्होंने अपने लिए एक दुकान की जगह भी बना ली है और अब उससे वह सुखद जीवन की ओर आगे बढ़ रहे हैं।

बड़ी सोच से आगे बढ़कर लखपति दीदी बन गई हैं संतोषी सोनवानी

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

अगर मन में दृढ़ आत्मविष्वास हो और उस आत्मविश्वास को सही समय पर आर्थिक मदद प्राप्त हो जाए तो परंपरागत कार्य भी अच्छे सफल व्यवसाय का आकार ले सकता है। कोरिया जिले के ग्राम पंचायत भैंसवार के जामटिकरा में रहने वाली घरेलू महिला श्रीमती संतोषी देवांगन ने इस बात को साबित कर दिखाया है। घरेलू महिला के तौर पर सामान्य जीवन जीने वाली संतोषी ने बिहान से जुड़कर अपने घर के परंपरागत कार्य को एक व्यवसाय की तरह करना आरंभ किया और अब वह प्रति वर्ष लाखों रूपए अर्जित कर रही हैं। लखपति दीदी की श्रेणी में आकर उनका आत्मविष्वास और पारिवारिक कद दोनों बढ़ गया है।

घरेलू सामान्य जीवन

एक किसान परिवार से निकलकर अपने ससुराल पहुंची संतोषी सोनवानी के लिए सब कुछ मायके जैसा ही था। कृषि भूमि में सामान्य खेती और परंपरागत ढंग से कुछ बकरी, कुछ गाय बैल का पालन और आवश्यकता होने पर अकुशल रोजगार के लिए दूसरे के खेतों में परिश्रम करना ही उनकी दैनिक जीवन की कहानी थी। ऐसे में संतोषी के मन में कुछ बड़ा करने का विचार हमेषा चलता रहता था।

समूह से विचार को मिला विस्तार

अपने गांव में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन बिहान से जुड़कर संतोषी सोनवानी को नया करने की चाह हुई। उन्होने गांव के महिलाओं के साथ एक स्व सहायता समूह बनाया। इससे उनको नया आर्थिक संबल मिला आगे बढ़कर उन्होने समूह की महिलाओं के साथ मिलकर 6 लाख रूपए का ऋण प्राप्त किया और अपने परंपरागत बकरीपालन कार्य को व्यवसायिक तौर पर करना आरंभ किया।

अब लखपति दीदी

अपने परिवार के परंपरागत बकरीपालन कार्य को ही व्यवसायिक तरीके से एक शेड बनाकर शुरू करने वाली संतोषी सोनवानी ने फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। पहले परिवार ने बड़े स्तर पर कार्य के लिए थोड़ी रोकटोक की लेकिन उनके आत्मविश्वास के आगे सब फीके पड़ गए। मुस्कुराते हुए संतोषी ने कहा कि अब वह लखपति दीदी बन गई हैं ।

पीएम का किया आभार भूस्वामित्व योजना से भगवानलाल कुशवाहा को मिला जमीन का पट्टा'

'कोरिया । वर्षों से जिस जमीन को अपना घर और जीवन का आधार मानकर परिवार पीढ़ियों से वहां रह रहा था, उस जमीन का कोई वैधानिक आधार नहीं था। जमीन पर पूर्वजों की मौजूदगी थी, यादें थीं और कई पीढ़ियों का जीवन था, लेकिन कागजों में उस अधिकार की स्पष्ट पहचान नहीं थी। यह स्थिति श्री भगवानलाल कुशवाहा के परिवार की थी, जो ग्राम अमहर जिला कोरिया में अपने पूर्वजों की जमीन पर करीब 100 वर्षों से अधिक समय से निवास कर रहे थे।

श्री भगवानलाल कुशवाहा, पिता स्वर्गीय श्री बीरसाय, बताते हैं कि उनके दादा के जमाने से उनका परिवार इसी स्थान पर रह रहा है। पीढ़ियां गुजरती गईं, परिवार बढ़ता गया, लेकिन जमीन का पट्टा नहीं होने के कारण उनके मन में हमेशा यह चिंता बनी रहती थी कि जिस जमीन पर उनका परिवार वर्षों से रह रहा है, उसका कोई ठोस आधार उनके पास नहीं है।

वे कहते हैं, ÷पहले कई सालों से हमारी जमीन का कोई आधार नहीं था। अब पट्टा प्राप्त हो गया है तो बहुत अच्छा लगता है। अब लगता है कि हमारी जमीन को भी पहचान और अधिकार मिल गया है।भूस्वामित्व योजना के अंतर्गत श्री भगवानलाल कुशवाहा को 210 वर्ग मीटर भूमि का पट्टा प्राप्त हुआ। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी पहल और राज्य सरकार की मदद की वजह उनके पूर्वजों के 100 वर्ष से अधिक समय से काबिज जमीन को पट्टे के रूप में अधिकार मिला। यह उनके परिवार के लिए केवल एक दस्तावेज प्राप्त होने की बात नहीं, बल्कि पीढ़ियों से चले आ रहे इंतजार के समाप्त होने का अवसर है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना से विनीता साहू के घर रोशन हुआ भविष्य'

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से आम नागरिकों के जीवन में आए सकारात्मक बदलावों को सामने लाने की कड़ी में श्रीमती विनीता साहू पति श्री दयाशंकर साहू की कहानी सामने आई है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की 'प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' से उनके परिवार को सौर ऊर्जा का लाभ मिला है और बिजली के बढ़ते खर्च से बड़ी राहत मिली है।श्रीमती विनीता साहू ने बताया कि उनके घर में 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित किया गया है। यह सोलर पैनल उनकी सासू मां श्रीमती लीलावती साहू के नाम से स्थापित है। उन्होंने बताया कि अप्रैल माह में उन्होंने योजना के तहत सोलर रूफटॉप लगवाया।

उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगने से पहले उनके परिवार का बिजली बिल प्रति माह 6 हजार रुपये से अधिक आता था। सोलर रूफटॉप स्थापित होने के बाद बिजली के बिल में काफी कमी आई है, जिससे परिवार को नियमित रूप से आर्थिक बचत हो रही है।

श्रीमती साहू ने बताया कि योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट क्षमता के लिए उन्हें 1 लाख 8 हजार रुपये की सब्सिडी/छूट का लाभ प्राप्त हुआ है।श्रीमती विनीता साहू ने कहा कि सौर ऊर्जा के उपयोग से उनके परिवार को बिजली खर्च में राहत मिली है और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी यह उपयोगी कदम है। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं आम परिवारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सहायक साबित हो रही हैं।

'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से ऐसी ही योजनाओं से लाभान्वित हितग्राहियों की कहानियां सामने आ रही हैं, जो यह दर्शाती हैं कि शासन की योजनाओं का लाभ जब जरूरतमंद परिवारों तक पहुंचता है तो उनके जीवन में वास्तविक बदलाव आता है।

वातावरण की शुद्धता के साथ प्रदूषण का खतरा भी नगण्य हो गया है।

ग्राम पंचायत बोड़ार में श्रीमती पूनम और जयकुंवर ने सम्हाल रखी है स्वच्छता की कमान

एक सत बुलेटिन ➤ कोरिया

कोरिया जिले के वनांचल जनपद सोनहत के ग्राम पंचायत बोड़ार में स्व सहायता समूह की दो दीदियों ने अपनी कर्मठता से गांव में स्वच्छता की अलख जगा दी है। ग्राम विक्रमपुर में रहने वाली श्रीमती पूनम और श्रीमती जयकुंवर द्वारा बीते वर्ष से निरंतर समर्पण भाव से किए जा रहे स्वच्छता कार्य से पूरे गांव में सामूहिक अनुशासन और स्वच्छता के प्रति जागरूकता की समझ विकसित हुई है। अब यह गांव पहले से ज्यादा बेहतर और स्वच्छता से पूर्ण हैं। इस अभिनव पहल से गांव में वातावरण की शुद्धता के साथ प्रदूषण का खतरा भी नगण्य हो गया है।

पहले संकोच फिर मिसाल

स्वच्छ भारत मिषन ग्रामीण के तहत गांव में कचरे का प्रबंधन करने के लिए घर घर कचरा कलेक्षन का कार्य आरंभ किया जाना था। ऐसे मे समूह से जुड़ी हुई कई महिलाओं ने पारिवारिक संकोच के कारण इस कार्य से अपने आप को अलग कर लिया। ऐसे समय में गांव की पूनम और जयकुंवर ने गांव में स्वच्छता के लिए कार्य करने पर सहमति प्रदान की। इस कार्य को लेकर उनको अलग अलग तरह से बातें भी सुनने को मिलीं। लेकिन अपने इरादे पर अटल रहते हुए दोनों सखियों ने इस गंभीर कार्य की जिम्मेदारी उठाई। आज जबकि पूरा गांव स्वच्छता का अनुषासन निभा रहा है तब पूरे गांव में सिर्फ इनके कर्मठता और समर्पण पर बात होती है।

बोड़ार में स्वच्छता पर कार्य

स्वच्छ भारत मिषन के अंतर्गत ग्राम पंचायत बोड़ार को ओडीएफ गांव घोषित किया जा चुका है। अब यहां पर नियमित तौर पर गांव में घर घर कचरा कलेक्षन का कार्य स्वच्छता दीदियों के माध्यम से कराया जा रहा है। गांव में हर तीसरे दिन हर मोहल्ले में जाकर यह दीदियां अपनी कचरा गाड़ी में कचरे का संग्रहण करती हैं और उसे ग्राम पंचायत के बाहर बने कचरा संग्रहण केंद्र में ले जाकर पृथक्करण करती हैं। दीदियां सप्ताह मे दो बार एकत्र करती हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

सेवा संकल्प अभियान में बच्चों ने चित्रों और भाषणों से रचा विकसित भारत का सपना

एमसीबी विद्यार्थियों में सेवा, समर्पण और संकल्प की भावना विकसित करने तथा उनकी रचनात्मक एवं अभिव्यक्ति संबंधी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 28 सितंबर को सेजेस मनेन्द्रगढ़ में किया गया। प्रतियोगिता में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों ने चित्रकला और भाषण विधाओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगरपालिका मनेन्द्रगढ़ की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा यादव ने की। कार्यक्रम में विकासखंड शिक्षा अधिकारी विपिन कुमार पाण्डेय, शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मनेन्द्रगढ़ के प्राचार्य संजीव कुमार, विकासखंड स्रोत समन्वयक श्रीमती अलका चौहथा एवं जिला सांख्यिकी अधिकारी अनिरुद्ध शुक्ला उपस्थित रहे।

चित्रों में दिखी कल्पना, भाषणों में गूंजा सेवा का संकल्प प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने चित्रकला के माध्यम से अपनी कल्पनाशक्ति और रचनात्मक सोच को कागज पर उकेरा, वहीं भाषण प्रतियोगिता में अपने विचारों एवं अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के साथ सेवा, समर्पण, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच जैसे मूल्यों से जोड़ना रहा।

प्राथमिक स्तर पर चित्रकला एवं भाषण विधाओं में कुल 57 विद्यार्थियों, जिनमें 31 बालिकाएं एवं 26 बालक शामिल रहे, ने सहभागिता की। निर्णायक मंडल द्वारा दोनों विधाओं में जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए 5-5 विद्यार्थियों का चयन किया गया।

माध्यमिक स्तर पर दोनों विधाओं में कुल 78 विद्यार्थियों, जिनमें 45 बालिकाएं एवं 33 बालक शामिल रहे, ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रकार प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर को मिलाकर कुल 135 विद्यार्थियों ने विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लिया। जिला स्तर के लिए चयनित हुए प्रतिभागी निर्णायक मंडल द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर की चित्रकला एवं भाषण विधाओं से कुल 20 विद्यार्थियों का चयन जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण में 74 हजार से अधिक हितग्राही पात्र, 1393 अपात्र

रायपुर, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 (2024) सर्वे के आधार पर सिस्टम जनरेट प्राथमिकता सूची का ग्रामसभा में अनुमोदन किया गया है। अनुमोदित सूची के अनुसार रायपुर जिले के चार जनपदों में कुल 75 हजार 461 हितग्राहियों में से 74 हजार 68 हितग्राही पात्र तथा 1 हजार 393 हितग्राही अपात्र पाए गए हैं।

जिला पंचायत रायपुर से जारी जानकारी के अनुसार अभनपुर जनपद में कुल 18,352 हितग्राहियों में 18,095 पात्र एवं 257 अपात्र, आरंग में 25,814 में 25,138 पात्र एवं 676 अपात्र, धरसींवा में 11,540 में 11,210 पात्र एवं 330 अपात्र तथा तिल्दा में 19,755 हितग्राहियों में 19,625 पात्र एवं 130 अपात्र पाए गए हैं।

ग्रामसभा में दावा-आपत्ति का अवसर

सूची में अपात्र पाए गए हितग्राही 28 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। दावा-आपत्ति ग्रामसभा में आमंत्रित की गई है। निर्धारित समयावधि में प्राप्त लिखित आवेदनों पर जिला स्तरीय समिति द्वारा नियमानुसार विचार किया जाएगा।

जिला पंचायत ने स्पष्ट किया है कि समय-सीमा के बाद प्राप्त, त्रुटिपूर्ण अथवा अस्पष्ट आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। पात्र एवं अपात्र हितग्राहियों की सूची संबंधित जिला कार्यालय, विकासखंड कार्यालय एवं ग्राम पंचायत भवन के सूचना पटल पर अवलोकन के लिए चस्पा की गई है।

शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए चार शिक्षक सम्मानित

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले के आदिवासी वनांचल विकासखंड मरवाही के चार शिक्षकों ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार, रचनात्मक गतिविधियों एवं उल्लेखनीय योगदान से जिले को गौरवान्वित किया है। बीते शनिवार को कलिंगा यूनिवर्सिटी नया रायपुर में आयोजित सम्मान समारोह में श्रीमती अर्चना सामुएल मसीह, श्री ऐशले कैनिथ डगलस, श्री संतोष प्रजापति एवं श्रीमती नलिनी राय को सम्मानित किया गया। समारोह में छत्तीसगढ़ शासन शिक्षा आयोग के अध्यक्ष श्री सुधीर गौतम, कलिंगा यूनिवर्सिटी के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी, शिक्षाविद डॉ. अनिल कुमार प्रधान एवं एम.डी. एजुकेशन सोसाइटी के प्रतिनिधियों द्वारा शिक्षकों को सम्मान प्रदान किया गया। जिला शिक्षा अधिकारी श्री रजनीश तिवारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी मरवाही श्री संजय वर्मा ने चारों शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

राज्यपाल पुरस्कृत शिक्षिका श्रीमती अर्चना सामुएल मसीह, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला मगुरदा तथा श्री ऐशले कैनिथ डगलस, व्याख्याता शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बगरार को स्काउट-गाइड के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर भी सम्मान प्राप्त हो चुका है। दोनों शिक्षक विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक स्तर में सुधार, नशामुक्ति एवं स्वच्छता जागरूकता, स्काउट-गाइड, रेडक्रॉस सहित विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रहे हैं। इसी तरह श्री संतोष प्रजापति, शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला करहनी तथा श्रीमती नलिनी राय, शासकीय प्राथमिक शाला लोहारी द्वारा टीएलएम निर्माण, कबाड़ से जुगाड़ एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से नवाचारी शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान की 25 गतिविधियों को प्रभावी बनाने कलेक्टर ने दिए निर्देश

सेवा से सहयोग तक- एमसीबी में तेज होगा अभियान, जनभागीदारी बढ़ाने विभागों को सौंपी जिम्मेदारी

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के तहत जिले में संचालित 25 गतिविधियों को और प्रभावी बनाने तथा आगामी सेवा सेतु शिविरों की तैयारियों को लेकर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभागीय अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने गतिविधियों की विभागवार प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रत्येक कार्यक्रम को जनभागीदारी से जोड़ने और अधिक से अधिक लोगों तक शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ अंकिता सोम, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, नम्रता डोगरे, एसडीएम भरतपुर शशि शेखर मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर स्वप्निल वर्मा, नेहा खलखो सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

63 ग्रामों में स्वच्छता अभियान, शेष गांवों में भी गतिविधियां तेज करने के निर्देश

कलेक्टर ने सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत निर्धारित 25 गतिविधियों की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि अभियान केवल विभागीय कार्यक्रम तक सीमित न रहे, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता सुनिश्चित की जाए। इसका उद्देश्य शासकीय योजनाओं एवं सेवाओं को नागरिकों तक पहुंचाने के साथ सेवा, सहयोग, जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना है। बैठक में रक्तदान शिविर, समाज कल्याण विभाग की गतिविधियों और स्वच्छता अभियान की समीक्षा की गई। जिले के 199 ग्रामों में से अब तक 63 ग्रामों में स्वच्छता गतिविधियां संचालित की जा चुकी हैं। कलेक्टर ने शेष ग्रामों में भी स्वच्छता अभियान को गति देने के निर्देश दिए। 2 अक्टूबर

स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रतिभागियों एवं संबंधित सहयोगकर्ताओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। आयुष विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य एवं जागरूकता कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए इनका व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनबाड़ी गतिविधियों की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने खिलौना दान अभियान को जनभागीदारी से सफल बनाने पर जोर दिया। 5 अक्टूबर तक कार्यालयों में एकत्र किए जाएंगे खिलौने कलेक्टर ने सभी विभागों को अपने-अपने कार्यालयों में 5 अक्टूबर तक खिलौने एकत्रित करने के निर्देश दिए। शिक्षा विभाग, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, पंचायत, पीएमजीएसवाई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग सहित अन्य विभागों को भी अभियान में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने कहा गया। उन्होंने खिलौना, अन्न एवं अन्य सामग्री दान करने वाले दानदाताओं और सहयोगकर्ताओं का पंजीयन करने के निर्देश दिए, ताकि जनभागीदारी को व्यवस्थित रूप से दर्ज किया जा सके। किसानों से अन्न दान कराने तथा एकत्रित अन्न से सामूहिक भोग आयोजित करने की गतिविधि संचालित करने को कहा गया। प्राथमिक शालाओं एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में जरूरतमंद बच्चों के लिए वस्त्र दान की गतिविधि को भी बढ़ावा दिया जाएगा। दिव्यांगजनों के लिए 30 सितंबर से पोड़ी में मेडिकल कैंप दिव्यांगजन सहयोग गतिविधि की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने बताया कि 30 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक मंगल भवन पोड़ी में मेडिकल कैंप आयोजित किया जाएगा।

स्वच्छता ही सेवा-2026' के अंतर्गत रायपुर मंडल में चला व्यापक स्वच्छता एवं जागरूकता अभियान

प्रमुख स्टेशनों पर विशेष साफ-सफाई के साथ यात्रियों को स्वच्छता एवं बेहतर कचरा प्रबंधन के लिए किया गया प्रेरित

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

रेलवे बोर्ड के निर्देशानुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर रेल मंडल में ÷स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत÷ थीम पर 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर 2026 तक 'स्वच्छता ही सेवा (सास्)-2026'* अभियान चलाया जा रहा है। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था को और बेहतर बनाने के साथ यात्रियों एवं आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

इसी क्रम में 25 से 27 सितम्बर 2026 तक इस अभियान के तहत रायपुर मंडल के प्रमुख एवं अधिक यात्री आवागमन वाले रेलवे स्टेशनों पर व्यापक स्वच्छता एवं जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान स्टेशन परिसरों के सर्कुलेटिंग एरिया, प्लेटफार्म, प्रतीक्षालय, फुट ओवर ब्रिज, पेयजल स्थलों, प्रसाधनों में विशेष साफ-सफाई कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाया गया।

इसके साथ ही स्टेशन परिसरों एवं आसपास स्थित सार्वजनिक शौचालयों तथा सामुदायिक स्वच्छता परिसरों में भी गहन साफ-सफाई सुनिश्चित की गई।

27 सितंबर को सहायक वाणिज्य प्रबंधक श्री राजेश साह ने दुर्ग स्टेशन पर स्वच्छता कर्मियों को स्वच्छता किट प्रदान किए साथ ही पूरे स्टेशन परिसर में डस्टबिन की सुनिश्चिता एवं स्वच्छता जागरूकता हेतु यात्रियों को प्रेरित किया। रायपुर रेलवे स्टेशन पर मुख्य स्टेशन प्रबंधक, वाणिज्य निरीक्षक, स्वास्थ्य निरीक्षक सहित स्वच्छता कर्मियों ने स्वच्छता जागरूकता रैली के माध्यम से प्लेटफार्म पर बैठे यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं स्वच्छ जिम्मेदार यात्री बनने हेतु प्रेरित किया।

'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनभागीदारी को बढ़ावा देने के

लिए मंडल के प्रमुख एवं अन्य स्टेशनों पर थीम आधारित बैनर, पोस्टर एवं स्वच्छता संदेश प्रदर्शित किए गए। इनके माध्यम से यात्रियों को स्वच्छता के महत्व तथा रेलवे परिसरों को स्वच्छ रखने में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक किया गया।अभियान के दौरान यात्रियों एवं आमजन को पेम्पलेट वितरित कर स्वच्छता बनाए रखने का संदेश दिया गया द्य साथ ही यात्रियों से स्टेशन परिसर में कचरा इधर-उधर न फेंकने, उपलब्ध कूड़ेदानों का उचित उपयोग करने तथा कचरे का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने की अपील की गई। यात्रियों को सिंगल यूज प्लास्टिक के उपयोग से बचने तथा पर्यावरण अनुकूल विकल्पों को अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही यात्रियों को पर्यटन, स्वच्छता एवं नागरिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए रेलवे परिसरों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता के लिए प्रेरित किया गया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्राम पंचायत भदौरा में सेवा सेतु शिविर संपन्न

राशनकार्ड, ई-केवाईसी और आधार सीडिंग सहित जनकल्याणकारी योजनाओं की दी गई जानकारी

29 सितंबर को टिकठी और 30 सितंबर को नवागांव में लगेगा शिविर

एक सत बुलेटिन ➤ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा आम नागरिकों को विभागीय योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ सुगमता से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जनपद पंचायत गौरेला की ग्राम पंचायत भदौरा में आज विशेष सेवा सेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना सहित खाद्य विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही राशनकार्ड में पंजीकृत सदस्यों की ई-केवाईसी, आधार सीडिंग एवं मोबाइल नंबर सीडिंग जैसी आवश्यक प्रक्रियाओं के संबंध में जानकारी एवं मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर में जनपद पंचायत सदस्य श्री संतोष कुमार राठौर, ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती वर्षा ओझा एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 28 से 30 सितंबर तक आयोजित किए जा रहे इन शिविरों का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और सेवाओं को नागरिकों के और करीब लाकर पात्र हितग्राहियों को उनका लाभ दिलाना तथा योजनाओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है। शिविर के दौरान ग्रामीणों को विभागीय योजनाओं से जुड़ी प्रक्रियाओं के संबंध में भी उपयोगी जानकारी दी गई। इसी कड़ी में 29 सितंबर को जनपद पंचायत मरवाही की ग्राम पंचायत टिकठी तथा 30 सितंबर को जनपद पंचायत पेंड्रा की ग्राम पंचायत नवागांव में सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जाएंगे। विभाग ने संबंधित ग्राम पंचायतों के नागरिकों से निर्धारित समय पर आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में पहुंचकर योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ लेने की अपील की है।

खड़गवां में विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, 136 छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा; चयनित प्रतिभागी जिला स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे हिस्सा

सेवा संकल्प अभियान- बच्चों ने रंगों और शब्दों से रचा 'मेरे सपनों का भारत

एक सत बुलेटिन ➤ एमसीबी

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'मेरे सपनों का भारत' चित्र सेवा कार्यक्रम के तहत विकासखंड स्तरीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन एकलव्य आवासीय विद्यालय पोड़ीडीह में किया गया। प्रतियोगिता में खड़गवां विकासखंड के विभिन्न विद्यालयों से चयनित छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। बच्चों ने अपने चित्रों और विचारों के माध्यम से विकसित भारत की संकल्पना, राष्ट्र निर्माण, नवाचार, सेवा, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच को अभिव्यक्त किया।

कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड शिक्षा अधिकारी खड़गवां रमा निवास मिश्रा, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी तथा सहायक नोडल अधिकारी ओमशंकर सिंह (बीआरसी खड़गवां) के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप

प्रज्वलन के साथ हुआ।

रंगों में दिखाई दिया बच्चों का विकसित भारत

'मेरे सपनों का भारत' विषय पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में प्राथमिक एवं माध्यमिक स्तर के 88 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। बच्चों ने अपनी कल्पनाओं और विचारों को रंगों के माध्यम से कागज पर उतारा। किसी चित्र में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की कल्पना दिखाई दी

तो किसी में शिक्षा, स्वच्छता, पर्यावरण, तकनीक और राष्ट्र निर्माण के प्रति बच्चों की सोच नजर आई। वहीं भाषण प्रतियोगिता में 48 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर भारत के विकास, सेवा कार्यों, नागरिक जिम्मेदारी और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस प्रकार विकासखंड स्तरीय प्रतियोगिता में कुल 136 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता को लेकर बच्चों में दिखा उत्साह

कार्यक्रम को लेकर बच्चों में खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी रचनात्मक सोच एवं अभिव्यक्ति क्षमता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता ने विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा को मंच देने के साथ देश के भविष्य और विकसित भारत की कल्पना पर सोचने का अवसर भी प्रदान किया। आयोजन का उद्देश्य केवल प्रतियोगिता कराना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में राष्ट्र निर्माण, नवाचार, सेवा भावना, जिम्मेदारी और सकारात्मक सोच को विकसित करना रहा। बच्चों ने अपने चित्रों और भाषणों के माध्यम से यह संदेश दिया कि विकसित भारत की कल्पना में नई पीढ़ी की सोच और भागीदारी महत्वपूर्ण है।

उत्कृष्ट प्रतिभागियों का चयन, अब जिला स्तर पर दिखाएंगे प्रतिभा

प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों द्वारा विभिन्न विधाओं में विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं का चयन आगामी जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। चयनित प्रतिभागी अगले चरण में अपने विद्यालय एवं विकासखंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

जनप्रतिनिधि, शिक्षक और अभिभावक रहे उपस्थित

कार्यक्रम में जनपद पंचायत खड़गवां के उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह करियाम, ग्राम पंचायत पोड़ीडीह की सरपंच जया मरावी, खड़गवां के सरपंच सुखितलाल अगरिया, एकलव्य आवासीय विद्यालय के प्राचार्य अरुण कुमार पात्रा, ग्राम पंचायत सचिव वंदना मिश्रा सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इसके अलावा पालक-अभिभावक, विकासखंड अंतर्गत संकुल प्राचार्य, शैक्षिक समन्वयक, विभिन्न प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं के प्रधान पाठक एवं शिक्षक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

कोहली ने पहली बार एक इनिंग में 9 सिक्स लगाए

एजेंसी ➤ तिरुवनंतपुरम

भारत ने रविवार को तिरुवनंतपुरम में पहले वनडे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। विराट कोहली ने अपने वनडे करियर का 55वां शतक लगाया। उन्होंने नाबाद 139 रन की पारी खेली।कोहली ने पहली बार किसी वनडे में इनिंग में 9 सिक्स लगाए। वे वनडे में सबसे तेज 15 हजार रन बनाने वाले खिलाड़ी भी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने एक देश में सबसे ज्यादा शतक लगाने के मामले में सचिन तेंदुलकर की बराबरी की। दोनों ने भारत में 42-42 शतक लगाए हैं।कोहली ने वनडे में 303 पारियों में अपने 15 हजार रन पूरे कर लिए। वे सबसे कम पारियों में इस मुकाम तक पहुंचने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। सचिन ने 2007 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 377 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी।कोहली ने रविवार को लिस्ट-ए क्रिकेट में अपना 60वां शतक पूरा किया। वे 338 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। इसके साथ ही उन्होंने तेंदुलकर के लिस्ट-ए में सबसे ज्यादा शतकों की बराबरी भी कर ली। सचिन ने 538 पारियों में 60 शतक बनाए थे।लिस्ट॰ सीमित ओवरों वाला क्रिकेट फॉर्मेट है। इसमें अंतरराष्ट्रीय वनडे और घरेलू स्तर पर खेले जाने वाले आधिकारिक एक-दिवसीय मुकाबले शामिल होते हैं।

पूरी ताकत के साथ लंबी छलांग लगाती नजर आईं

जापान के नागोया में आयोजित 20वें एशियाई खेलों के दौरान महिलाओं की लंबी कूद के फाइनल मुकाबले में हिस्सा लेतीं भारत की एंसी सोजन। तस्वीर में एंसी पूरी ताकत के साथ लंबी छलांग लगाती नजर आईं।

कोहली ने खोला ड्रेसिंग रूम का राज

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे मैच में एक बार फिर विराट कोहली अपना जलवा बिखेरने को बरकरार हैं। विराट कोहली की बल्लेबाजी देखने के लिए हमेशा की तरह बड़ी तादाद में फैन्स स्टेडियम पहुंचे हैं।लेकिन मैच के बीच विराट कोहली का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विराट कोहली का एक ऐसा रूप सामने आया है, जिसे जानकर फैन्स भी मुस्कुराए बिना नहीं रह पाएंगे। हाल ही में पूर्व भारतीय बल्लेबाज अभिनव मुकुंद के साथ एक मजेदार इंटरव्यू में विराट कोहली ने अपने एक छुपे हुए टैलेंट का खुलासा किया। हालांकि, विराट कोहली ने अपना यह टैलेंट बहुत पहले एक बार कपिल शर्मा के शो में भी दिखा चुके हैं।

जब विराट से पूछा गया कि क्या आज भी ड्रेसिंग रूम में उनका वही मस्तीखोर अंदाज बरकरार है तो उन्होंने बड़े ही दिलचस्प अंदाज में इसका जवाब दिया। विराट ने हंसते हुए बताया कि वो किसी भी इंसान के साथ सिर्फ 30 मिनट बिता लें तो वे उसकी हूबहू नकल उतार सकते हैं।उन्होंने यह भी मजेदार खुलासा किया कि युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन उनकी इस मिमिक्री का शिकार होने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे हैं।

दोनों टीमें मेंस क्रिकेट के सेमीफाइनल में पहुंची; बारिश के कारण दोनों के मैच रद्द

भारत-पाकिस्तान में एशियन गेम्स का फाइनल

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

एशियन गेम्स के मेंस क्रिकेट फाइनल में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला हो सकता है। दोनों टीमें सेमीफाइनल में पहुंच गई हैं। हालांकि, सेमीफाइनल में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे।सोमवार को भारत-अफगानिस्तान और पाकिस्तान-हॉन्ग कॉन्ग के बीच क्वार्टर फाइनल खेले जाने थे। लेकिन, बारिश के कारण दोनों मैच रद्द हो गए। इसके बाद बेहतर रैंकिंग के आधार पर भारत और पाकिस्तान को सेमीफाइनल में जगह मिली।भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल तभी होगा, जब दोनों टीमें अपने-अपने सेमीफाइनल मैच

जीतेंगी। सेमीफाइनल में भारत का सामना श्रीलंका और नेपाल के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।वहीं, पाकिस्तान की टीम बांग्लादेश और मलेशिया के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। यानी फाइनल में भारत-पाकिस्तान का मुकाबला देखने के लिए दोनों टीमों को सेमीफाइनल जीतना होगा।

एशियन गेम्स में भारत और पाकिस्तान की मेंस क्रिकेट टीमों में अब तक कोई मैच नहीं हुआ है। भारत 2022 से और पाकिस्तान 2010 से इस टूर्नामेंट में हिस्सा रहे रहा है।भारतीय टीम ने 2022 के एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। तब अफगानिस्तान के खिलाफ फाइनल मैच रद्द हुआ था और भारत चैंपियन बना था।

26 नवंबर 2008 को 10 आतंकवादियों ने मुंबई के ताज होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट और नरीमन पॉइंट जैसे कई इलाकों में फायरिंग की थी। इससे 166 लोग मारे गए थे। इस घटना के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ क्रिकेट संबंध खत्म कर दिए।दोनों देशों ने बाइलेट्रल क्रिकेट सीरीज खेलना बंद कर दिया। इसके बाद से भारत और पाकिस्तान की टीमें ढ्ढष्ट और ्रष्ट के टूर्नामेंट्स में ही एक-दूसरे के खिलाफ खेलती हैं।2008 ॉ आखिरी बार पाकिस्तान दौरे पर गई थी टीम इंडिया। 3 टेस्ट मैचों की उस सीरीज को भारतीय टीम ने 1-0 से जीता था। इस सीरीज के 2 मैच ड्रॉ रहे थे।

व्यापार

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो 2026 में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, प्रदेश के एमएसएमई मंत्री भूपेंद्र चौधरी और अन्य लोग शामिल हुए। इस आयोजन का उद्देश्य प्रदेश के स्थानीय उत्पादों, लघु एवं मध्यम उद्योगों और उद्यमियों को अंतरराष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। व्यापार मेले में विभिन्न क्षेत्रों के उत्पादों और औद्योगिक क्षमताओं को प्रदर्शित किया गया।

पीएफ कटौती का नया कैलकुलेशन

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की ओर से हाल ही में एक बड़ा बदलाव (श्वक्क्रह्र ऋह्वद्य ष्द्धड्डठ्ठद्दद्ग) किया गया है। इसके तहत ईपीएफओ कवरेज के लिए सैलरी लिमिट को पहले के 15,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 25,000 रुपये मंथली किया गया है। सरकार को उम्मीद है कि इस बदलाव से 51 लाख से अधिक अतिरिक्त कर्मचारी इसके दायरे में आ जाएंगे। श्वक्क्रह्र द्वारा निर्धारित संशोधित 25,000 रुपये की सैलरी लिमिट अक्टूबर 2026 से लागू होगी और इसके साथ ही कर्मचारियों का वेतन में से पीएफ कटौती बढ़ जाएगी।

गौरतलब है कि पहले ईपीएफओ ने सैलरी लिमिट 15000 रुपये तय की हुई थी। यानी पुरानी सीमा के तहत ?20,000 प्रति माह की बेसिक सैलरी पर किसी कंपनी में

शामिल होने वाला कर्मचारी वैधानिक सीमा से ऊपर था और खुद ही इसके दायरे में नहीं आता था, लेकिन अब लिमिट 25,000 तक बढ़ने के बाद वो भी अनिवार्य कवरेज के अंतर्गत आ जाता है यानी उसका पीएफ पेंशन में योगदान शुरू हो जाएगा।

इससे सबसे बड़ा फायदा ये है कि उस 20 हजार रुपये कमाने वाले कर्मचारी को रिटायरमेंट के लिए जमा किए गए क्क्न का लाभ मिलेगा, ईपीएस के तहत पेंशन की पात्रता होगी और कर्मचारी जमा से जुड़ी बीमा योजना के तहत बीमा कवर मिलेगा।

7 सितंबर से प्रभावी नई लिमिट श्वक्क्रह्र की संशोधित 15,000 से बढ़ाकर 25,000 रुपये की वेतन सीमा बीते 17 सितंबर 2026 से प्रभावी हो गई है।

- शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपए की कमजोरी से कीमतें बढ़ीं

बीते सप्ताह खाद्य तेल-तिलहन के दाम में मजबूती, सरसों तेल सोयाबीन से सस्ता

एजेंसी ➤ नई दिल्ली

देश के तेल-तिलहन बाजार में बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। शादी-विवाह के मौसम की बढ़ती मांग, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी और विदेशों में तेल की ऊंची कीमतों ने इस तेजी में योगदान किया। हरियाणा में पहली बार सरसों तेल का दाम सोयाबीन तेल से कम रहा (सरसों 148.25 प्र?ति ?किलो, सोयाबीन 165 रुपए प्र?ति ?किलो) बिना प्रसंस्करण वाला सरसों तेल सस्ता होने की वजह से इसकी मांग बढ़ी। आवक घटकर 6.75 लाख बोरी रह गई, जिससे दाम मजबूत बने। मूंगफली तेल की कीमत ऊंची होने के कारण स्थिर रही, जबकि बिनौला तेल लगभग 27 रुपए प्र?ति ?किलो सस्ता होने से उपभोक्ताओं का रुझान बढ़ा। कपास नरमा की आवक 42,000 गांठ रह जाने से भी बिनौला तेल के दाम में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम तेल के अंतरराष्ट्रीय दाम बढ़कर 1,360-65 डालर प्र?ति टन हुए। पाम और पामोलीन तेल के दाम भी मजबूत रहे। विशेषज्ञों का कहना है कि देशी तेल-तिलहन उत्पादन बढ़ाना जरूरी है ताकि आयात पर निर्भरता कम हो और घरेलू बाजार स्थिर रहे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 75 रुपये के सुधार के साथ 7,025-7,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये के सुधार के साथ 14,825 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशॊ 30-30 रुपये के सुधार के साथ क्रमशॊ 2,460-2,560 रुपये और 2,460-2,605 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमशॊ 25-25 रुपये की तेजी के साथ क्रमशॊ 5,725-5,775 रुपये और 5,325-5,475 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए।इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 16,450 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 150 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 100 रुपये के सुधार के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।मूंगफली तिलहन का दाम 7,250-7,725 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 17,550 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 2,770-3,070 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में कारोबारी धारणा में आम मजबूती के रुख के अनुरूप, सीपीओ तेल का दाम 25 रुपये के मामूली सुधार के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 25 रुपये सुधरकर 15,425 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 25 रुपये की बढ़ोतरी के साथ 14,375 रुपये प्रति क्विंटल के साथ 14,850 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

ईरान युद्ध और घरेलू आंकड़ों से तय होगी शेयर बाजार की दिशा

- वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है

एजेंसी ➤ मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले कुछ सप्ताह से जारी गिरावट के बीच आने वाले सप्ताह में एक बार फिर निवेशकों की नजर ईरान युद्ध की स्थिति पर रहेगी। इसके अलावा इस सप्ताह में कुछ प्रमुख आंकड़े भी आने वाले हैं। सोमवार 30 मार्च को फरवरी के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े जारी होने हैं। पश्चिम एशिया संकट शुरू होने के बाद की तस्वीर बताने वाला मार्च का पहला वृहत आंकड़ा विनिर्माण पीएमआई का होगा जो 2 अप्रैल को जारी होगा। वाहनों की बिक्री के कंपनियों के अलग-अलग आंकड़े भी 1 और 2 अप्रैल को जारी किये जायेंगे। इन सभी कारकों का असर शेयर बाजारों पर दिखेगा। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी रहा। पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध के बढ़ते तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। इस सप्ताह में निवेशकों की निगाहें ईरान संकट पर रहेंगी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक और क्षेत्रीय अनिश्चितताओं के चलते बाजार में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। बीएसई का सेंसेक्स सप्ताह के अंत में 73,583.22 अंक पर बंद हुआ, जो 949.74 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 22,819.60 अंक पर बंद हुआ, जो 294.90 अंक या 1.27 प्रतिशत कम है। मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों पर भी दबाव देखा गया। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ जबकि स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.63 प्रतिशत घटा। सेंसेक्स की 30 प्रमुख कंपनियों में से 20 के शेयरों में साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। सबसे अधिक गिरावट बीईएल के शेयर में रही, जो 5 प्रतिशत तक लुढ़क गया। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज 4.69 फीसदी, ट्रेंट 4.64 फीसदी, भारतीय स्टेट 3.10 फीसदी और टाइटन 3.09 प्रतिशत टूटे।

चुनाव आयोग का पश्चाताप

चुनाव आयोग के अंतर्विरोध और आपत्तियों की खबर छपने के 48 घंटे में ही एहसास हो गया कि आयोग में कुछ गलत हो रहा है, जिसका निराकरण देशहित और लोकतंत्र-हित में होगा, लिहाजा मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों चुनाव आयुक्तों की बैठक हुई। तीनों की साझा उपस्थिति का चित्र भी जारी किया गया। बैठक की पहल किसने की और साझा संवाद की स्थिति कैसे बनी, यह जानना उतना महत्त्वपूर्ण नहीं है, बल्कि बैठक के जरिए जो पश्चाताप किया गया और देश के मतदाताओं के पक्ष और हित में जो निर्णय लिए गए, वे बेहद महत्त्वपूर्ण हैं। देश को चुनाव आयोग की बैठक और पश्चाताप का स्वागत करना चाहिए। चुनाव आयोग की छवि निष्पक्ष, स्वतंत्र, निर्भीक संवैधानिक संस्था की है, लिहाजा उस पर दाग नहीं आना चाहिए। अंतिम लक्ष्य लोकतंत्र और संविधान होना चाहिए, बेशक आपसी मतभेद और वैचारिक टकराव कितने भी हों! चुनाव आयोग की संपूर्ण बैठक में तय किया गया कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में जिन मतदाताओं के नाम कट गए हैं अथवा किसी भी तरह की गलती, लापरवाही, अनदेखी, पूर्वाग्रह के कारण जिनके नाम मतदाता-सूची में शामिल नहीं हो पाए हैं, वे अब 'अपडेशन' प्रक्रिया में आवेदन कर सकते हैं। जो पहली बार मतदाता बनने का दावा पेश करना चाहते हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। खुद ईआरओ (इलेक्ट्रोल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर) या बीएलओ आपके घर पर आकर दस्तावेज लेंगे। जिन मतदाताओं को नोटिस मिले हैं, वे भी ईआरओ और सहायक ईआरओ के कार्यालयों में न जाएं। खुद बीएलओ उनके घर आकर संबंधित दस्तावेज लेंगे और उन्हें ईसीआईनेट पर अपलोड करेंगे। उसके बाद किसी को भी अंतिम तौर पर मतदाता बनाने का काम पूरा हो सकेगा। नेट सॉफ्टवेयर पर जो गंभीर आरोप सामने आए थे कि मतदाता-सूची का 'केंद्रीकरण' किया जा रहा है, उसकी जांच वरिष्ठ चुनाव उपायुक्त और एक स्वतंत्र विशेषज्ञ करेंगे।

(एक नजर)

17 अक्टूबर तक 6 राशियों पर मेहरबान रहेंगे सूर्य

ज्योतिष में सूर्य को आत्मविश्वास, पद-प्रतिष्ठा, नेतृत्व और मान-सम्मान से जोड़कर देखा जाता है. जब सूर्य राशि परिवर्तन करते हैं तो इसका प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग माना जाता है. इस समय सूर्य कन्या राशि में मौजूद हैं,17 अक्टूबर 2026 तक इसी राशि में रहेंगे. ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इस दौरान कुछ राशियों के लिए नौकरी, कारोबार और आर्थिक मामलों में अच्छे अवसर बन सकते हैं. सूर्य ने 17 सितंबर 2026 को कन्या राशि में प्रवेश किया था. अब 17 अक्टूबर को सूर्य तुला राशि में प्रवेश करेंगे. यानी करीब 20 दिनों तक सूर्य कन्या राशि में रहेंगे. इस दौरान मेष, सिंह, कन्या, धनु, मकर और मीन राशि के जातकों के लिए समय को महत्वपूर्ण माना जा रहा है. मेष राशिः मेष राशि वालों के लिए यह समय कामकाज के लिहाज से अच्छा रह सकता है. नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है. अधिकारियों के सामने अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा. कारोबार करने वालों को नए ग्राहक या पुराने काम से फायदा मिल सकता है।

विचार

ट्रंप से भारत के लिए बढ़ती टैरिफ चुनौतियां

डा. जयंतीलाल भंडारी
लेखक

हाल ही में 18 सितंबर को अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले भारत-चीन समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने वाले बिल 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। यह कानून हस्ताक्षर किए जाने के 30 दिनों के भीतर प्रभावी होगा।

यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि हाल ही के महीनों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए-नए आर्थिक और व्यापारिक संरक्षणवादी कदमों से भारत के लिए आर्थिक-व्यापारिक चिंताएं बढ़ गई हैं। यह स्थिति मुख्य रूप से अमरीका के व्यापार, कृषि, बौद्धिक संपदा और श्रम बाजार से जुड़े नीतिगत बदलावों के कारण उत्पन्न हुई है। हाल ही में 18 सितंबर को अमरीका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी तेल खरीदने वाले भारत-चीन समेत पांच देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने वाले बिल 'लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026' पर हस्ताक्षर करके इसे कानून बना दिया है। यह कानून हस्ताक्षर किए जाने के 30 दिनों के भीतर प्रभावी होगा। यह कानून स्वचालित रूप से तुरंत टैरिफ लागू नहीं करता है। किस देश पर कितना टैरिफ लगाना है या राष्ट्रीय हित में किसे छूट देनी है, इसका अंतिम निर्णय अमरीकी राष्ट्रपति के पास ही रहेगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने इस विशेष अधिकार का उपयोग करते हुए 24 सितंबर को अमरीका की यात्रा कर गए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग को नायाब तोहफा देते हुए कहा कि 10 जनवरी 2027 तक चीन पर 100 प्रतिशत या अन्य कोई नया टैरिफ लागू नहीं होगा। लेकिन भारत पर टैरिफ लागू होने की चुनौती बनी हुई है। उल्लेखनीय है कि अमरीका के इस नए टैरिफ कानून का प्राथमिक उद्देश्य रूस और ईरान के ऊर्जा स्रोतों से होने वाली राजस्व आय पर रोक लगाना है। इस कानून से भारत सहित दुनिया के कई देश प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। रूस और ईरान से बड़े पैमाने पर कच्चा तेल खरीदने वाले देशों में भारत और चीन सबसे प्रमुख हैं। निसंदेह भारत के लिए यह स्थिति आर्थिक और रणनीतिक दोनों दृष्टिकोणों से बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकती है। एक तरफ जहां रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है, वहीं दूसरी ओर अमरीका

भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है। यदि अमरीका भारत पर 100 प्रतिशत टैरिफ लागू करता है, तो इससे भारतीय निर्यात को भारी झटका लग सकता है। ऐसे में अमरीकी संसद द्वारा रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून पारित किए जाने और 100 प्रतिशत तक टैरिफ के प्रावधान पर भारत ने दो टूक शब्दों में कहा कि 140 करोड़ से अधिक देशवासियों की ऊर्जा सुरक्षा और हित सर्वोपरि हैं, जिनसे कोई समझौता नहीं होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बीच भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और ऐसे में भारत किसी भी बाहरी दबाव में आए बिना, बाजार की परिस्थितियों के अनुसार अपने आर्थिक और व्यापारिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक निर्णय लेगा। यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि हाल ही के महीनों में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए-नए आर्थिक और व्यापारिक संरक्षणवादी कदमों से भारत के लिए आर्थिक-व्यापारिक चिंताएं बढ़ गई हैं। यह स्थिति मुख्य रूप से अमरीका के व्यापार, कृषि, बौद्धिक संपदा और श्रम बाजार से जुड़े नीतिगत बदलावों के कारण उत्पन्न हुई है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में एक आदेश के माध्यम से ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी वीजा पर लगाए गए 1 लाख डॉलर के अतिरिक्त शुल्क को एक साल के लिए बढ़ा दिया है और वीजा नियमों की जांच को पहले से अधिक सख्त कर दिया है। इस फैसले के तहत अमरीका के विदेश, श्रम और गृह सुरक्षा मंत्रालय को निर्देश दिए गए हैं कि वे वीजा आवेदनों को मंजूरी देने से पहले यह सुनिश्चित करें कि नियोक्ता ने हाल में अमरीकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला न हो या भविष्य में छंटनी की अमरीका में छात्र वीजा एफ-1 पर रह रहे हैं।

विचार

एंटी-इनकंबेंसी बनाम चुनाव प्रबंधन

धीरेंद्र राय,
लेखक

एंटी-इनकंबेंसी यानी सत्ताधारी के खिलाफ माहौल। जिसकी चर्चा सबसे ज्यादा चुनाव से पहले या फिर चुनाव परिणामों के विश्लेषण में की जाती है। खासतौर पर तब, जब कोई पार्टी चुनाव में अपनी सत्ता न बचा पाई हो। लेकिन, जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, तब से लोकसभा चुनाव ही नहीं, विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा जिस शब्द के ईर्द-गिर्द होती है, वह है- प्रो इनकंबेंसी। खासकर उत्तर भारत, और उसमें भी हिंदी पट्टी वाले राज्यों में। राहुल गांधी इसे असाधारण मानते हैं। कहते हैं यह स्वाभाविक नहीं है। ये साजिश है। चुनाव आयुक्तों के खुलासे के बाद यह साबित हो गया है।

चुनाव आयोग पर हमला बोलते हुए राहुल गांधी ने आश्चर्य जताया कि ऐसा कैसे हो सकता है कि नरेंद्र मोदी सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी ही न हो। जबकि, चुनावी इतिहास ये बताता है कि एंटी-इनकंबेंसी को लेकर असली कला दूसरे की भुनाने, और अपनी वाली भुलाने में है।एंटी-इनकंबेंसी यानी सत्ताधारी के खिलाफ माहौल। जिसकी चर्चा सबसे ज्यादा चुनाव से पहले या फिर चुनाव परिणामों के विश्लेषण में की जाती है। खासतौर पर तब, जब कोई पार्टी चुनाव में अपनी सत्ता न बचा पाई हो। लेकिन, जब से मोदी सरकार सत्ता में आई है, तब से लोकसभा चुनाव ही नहीं, विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा चर्चा जिस शब्द के इर्द-गिर्द होती है, वह है- प्रो इनकंबेंसी। खासकर उत्तर भारत, और उसमें भी हिंदी पट्टी वाले राज्यों में। राहुल गांधी इसे असाधारण मानते हैं। कहते हैं यह स्वाभाविक नहीं है। ये साजिश है। चुनाव आयुक्तों के खुलासे के बाद यह साबित हो गया है। राहुल गांधी कहते हैं कि देश के बड़े-बड़े राजनेता एंटी-इनकंबेंसी का शिकार बने हैं। चुनाव हारते रहे हैं। लेकिन, मोदी और शाह अपने भाषणों में 50 साल, 30 साल, 15 साल सरकार में बने रहने की बात करते हैं। ऐसा क्या है कि इनके मामले में एंटी-इनकंबेंसी काम नहीं करती। वे इसके पीछे चुनाव आयोग की कथित बेइमानी को दोष देते हैं।

लेकिन, उनका ये लॉजिक हफ्ताभर पहले आए दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्र संघ चुनाव नतीजों में धराशायी हो जाता है। जहां कांग्रेस की स्टूडेंट विंग ह्स्द्ध चारों पदों पर चारों खाने चित्त हो जाती है। उस क्ष्क्क के सामने जो लंबे अरसे दिल्ली यूनिवर्सिटी के छात्र संघ पर काबिज है। ये भी नहीं कहा जा सकता कि चुनाव में धांधली हुई है। क्योंकि, ष्ठस् के चुनाव तो ज्ञानेश कुमार वाला चुनाव आयोग नहीं करवाता। यानी, तमाम त्द्गठ्ठ- आंदोलन, पेपर लीक के मुद्दे, धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा होने के बावजूद बीजेपी समर्थित क्ष्क्क अपनी बात छात्रों तक पहुंचाने में कामयाब रहता है। और 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रमों की झड़ी लगा देने वाले राहुल गांधी की पार्टी नाकाम। ऐसा इसलिए क्योंकि, सिर्फ एंटी-इनकंबेंसी से चुनाव नहीं जीता जाता। चुनाव मैनेजमेंट से जीता जाता है। जिसमें उम्मीदवारों का चयन, सत्ता पक्ष के खिलाफ गठबंधन, और भी कई गुणा-भाग काम आता है।कोई जरूरी नहीं कि किसी सरकार के खिलाफ एंटी-इनकंबेंसी हो ही। या, उसने ऐसा कुछ बुरा किया हो

जिसे एंटी-इनकंबेंसी कहा जा सके। लेकिन, यह विपक्ष की खूबी होती है कि वह सत्ता पक्ष के सिर पर कोई ऐसा ठप्पा मढ़ दे, जो उसे जनविरोधी साबित कर दे। जैसे, 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष ने काफी हद तक ये नैरेटिव चलाने में कामयाबी हासिल की कि यदि नरेंद्र मोदी सरकार दोबारा सत्ता में आई तो वह संविधान बदल देगी। हालांकि, बीजेपी ने संविधान बदलने की कोई मंशा जाहिर नहीं की थी, सिवाय उसके कुछेक नेताओं के बयान के। बीजेपी ने बहुत भरोसा दिलाया कि ऐसा कुछ नहीं होगा। लेकिन, दलित वोटरों ने विपक्ष का नैरेटिव स्वीकार किया, और यूपी जैसे राज्य में बीजेपी को बड़ा नुकसान पहुंचाया।अब आते हैं कि यूपी, मध्यप्रदेश और बिहार जैसे राज्यों की ओर जहां बीजेपी या एनडीए दल लगातार सत्ता पर काबिज हैं। बेशक, इन सरकारों के कई पहलू एंटी-इनकंबेंसी का कारण बन सकते थे। लेकिन, यहां पर बीजेपी और एनडीए दल अपने विरोधियों की पुरानी सरकारों की एंटी-इनकंबेंसी वोटरों के मनमस्तिष्क में ऐसी बैठाई है कि हर चुनाव में सत्ता पक्ष पर हमलावर होने के बजाय विपक्ष अपने खिलाफ नैरेटिव की ही सफाई देता रह जाता है।मध्य प्रदेश में 2003 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बहुत बुरी पराजय हुई। चुनाव जीतने वाली उमा भारती ने अपने पूर्ववर्ती मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह का नाम रख दिया- 'मिस्टर बंटाधार'। दिग्विजय और कांग्रेस पर यह लेबल इतना बुरा चिपका, कि अगले कई चुनावों तक बीजेपी यही दोहराती रही कि यदि कांग्रेस जीती तो मिस्टर बंटाधार वाला दौर वापस आ जाएगा। ये बिल्कुल वैसा ही है, जैसे बिहार के हर चुनाव में बीजेपी और एनडीए के नेता राजद और लालू के दौर वाले 'जंगल राज' की याद दिलाते हैं और यूपी के हर चुनाव में मुलायम सिंह यादव और समाजवादी पार्टी के दौर का 'माफिया राज' चर्चा में आ जाता है। और बीजेपी के इस नैरेटिव ने उसकी कांग्रेस, राजद और सपा जैसी पार्टियों को डिफेंसिव बना दिया।अब आते हैं उस ट्रेंड पर, जहां एंटी-इनकंबेंसी को भुनाना तो छोड़िए, विपक्षी दल के रूप में पार्टियों ने सत्ता पक्ष के आगे सरेंडर ही कर दिया। तमिलनाडु में कांग्रेस की सरकार आखिरी बार 1967 में बनी थी। उसके बाद वह न सिर्फ सत्ता से बाहर हुई, वह चैलेंजर भी नहीं रही। पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस का यही हाल हुआ। 1977 में वामपंथी दलों ने वहां की सत्ता पर ऐसा कब्जा जमाया कि वह कांग्रेस हाशिये से भी बाहर हो गई। गुजरात, ओडिशा जैसे राज्यों में भी कांग्रेस ने अपना वजूद खो दिया। राहुल गांधी अपने भाषण में राजस्थान, हरियाणा, यूपी, तमिलनाडु जैसे राज्यों का हवाला देते हैं, जहां पहले हर चुनाव में वोटर सत्ताधारी पार्टी को बदल देते थे। लेकिन, बार-बार सत्ता में पार्टियों को बदलना चुनाव की आदर्श स्थिति नहीं है। इसका मतलब यह है कि उनके पास एक स्थायी ऑप्शन नहीं है। वह जल्दी-जल्दी ऊब जाते हैं।

विचार

भाजपा संगठन में हरीश द्विवेदी का कद कैसे बढ़ा

आशीष मिश्र
उप संचालक

उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल के जिले बस्ती से निकले हरीश द्विवेदी का भारतीय जनता पार्टी संगठन में कद तेजी से बढ़ा है। 17 अगस्त 2026 को उन्हें पार्टी की राष्ट्रीय टीम में महामंत्री बनाया गया। 10 सितंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा का राष्ट्रीय प्रभारी और 23 सितंबर को बिहार तथा कर्नाटक का प्रभारी नियुक्त किया गया। करीब पांच सप्ताह में मिली इन जिम्मेदारियों ने उनके संगठनात्मक दायरे को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार दिया है। 2024 में बस्ती लोकसभा सीट से चुनाव हारने के बाद भी पार्टी में उनकी भूमिका कम नहीं हुई, बल्कि संगठन के स्तर पर बढ़ती गई।

23 सितंबर को क्ष्क्क अध्यक्ष नितिन नबीन ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए नए प्रभारी और सह प्रभारी घोषित किए। हरीश द्विवेदी को बिहार और कर्नाटक का प्रभार मिला। बिहार में संगीता यादव और रोहन गुप्ता सह प्रभारी हैं, जबकि कर्नाटक में डॉ। कसम वेंकटेश्वरलु सह प्रभारी बनाए गए हैं। इससे पहले द्विवेदी असम के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।22 अक्टूबर 1973 को बस्ती में जन्मे हरीश द्विवेदी ने दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में एमए किया। उनकी राजनीतिक शुरुआत 1991 में

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से हुई। 1993 से 1995 तक उन्होंने बस्ती में संगठन की जिम्मेदारी संभाली। इसके बाद क्ष्क्क युवा मोर्चा में प्रदेश सह मंत्री और प्रदेश उपाध्यक्ष रहे। वे 2010 से 2013 तक वह उत्तर प्रदेश भाजयुमो के अध्यक्ष रहे। 2012 में बस्ती सदर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा, लेकिन जीत नहीं मिली। इसके दो साल बाद लोकसभा चुनाव ने उनके राजनीतिक सफर को नई दिशा दी।

2014 में क्ष्क्क ने उन्हें बस्ती लोकसभा सीट से उम्मीदवार बनाया। हरीश द्वि?वेदी ने पहली बार चुनाव जीता। 2019 में भी पार्टी ने उन्हें इसी सीट से उतारा और वे लगातार दूसरी बार सांसद बने। संसद की आधिकारिक प्रोफाइल के मुताबिक हरीश द्विवेदी 16वीं और 17वीं लोकसभा के सदस्य रहे। ऊर्जा, वित्त और सूचना प्रौद्योगिकी समेत विभिन्न समितियों में काम किया। 29 सितंबर 2021 से वह लोकसभा की याचिका समिति के अध्यक्ष रहे। पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार 16वीं लोकसभा में उनकी उपस्थिति 86 प्रतिशत रही और उन्होंने 328 सवाल पूछे। 17वीं लोकसभा में उनकी उपस्थिति 74 प्रतिशत और सवालों की संख्या 190 रही। सांसद रहते हुए वह राष्ट्रीय सचिव भी बने और उत्तर प्रदेश से बाहर संगठनात्मक जिम्मेदारियां संभालने लगे। 2014 और 2019 में बस्ती से जीत दर्ज करने वाले द्विवेदी 2024 में तीसरी बार चुनाव मैदान में उतरे। इस बार समाजवादी पार्टी के राम प्रसाद चौधरी ने उन्हें 1,00,994 मतों से हराया। चौधरी को 5,27,005 और द्विवेदी को 4,26,011 वोट मिले। लेकिन चुनावी हार के बाद उनकी राजनीतिक भूमिका खत्म नहीं हुई। क्ष्क्क ने उन्हें संगठन में बनाए रखा और असम का प्रभारी बनाया। इसके बाद राजस्थान के स्थानीय निकाय चुनावों में भी संगठनात्मक जिम्मेदारी दी गई। इससे उनका फोकस लोकसभा की चुनावी राजनीति से बढ़कर संगठन संचालन की ओर गया। यही बदलाव उनकी मौजूदा भूमिका को समझने की अहम कड़ी है।

बस्ती से चुनाव हारने के बावजूद पार्टी ने उनके संगठनात्मक अनुभव का इस्तेमाल जारी रखा और 2026 में उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर लगातार बड़ी जिम्मेदारियां मिलीं। पार्टी के वरिष्ठ नेता बताते हैं, ÷हरीश द्विवेदी ने अपने संगठनात्मक कामकाज से यूपी में तत्कालीन संगठन महामंत्री रहे सुनील बंसल का विश्वास जीता था। वे बंसल के नजदीकी नेताओं में शुमार थे। फिर उनकी संगनात्मक कामकाज की शैली को और विस्तार देते हुए उन्हें असम का प्रभारी बनाया गया था। असम विधानसभा चुनाव मेंजीत ने हरीश को पार्टी के भीतर कुशल रणनीतिकार के रूप में पहचान दी।

नितिन नबीन की नई राष्ट्रीय टीम घोषित की और हरीश द्विवेदी को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया। करीब तीन सप्ताह बाद 10 सितंबर को उन्हें भाजयुमो का राष्ट्रीय प्रभारी बनाया गया। इसके 13 दिन बाद 23 सितंबर को बिहार और कर्नाटक का प्रभार मिला। इन नियुक्तियों को अलग-अलग घटनाओं की बजाय उनके संगठनात्मक सफर के अगले चरण के रूप में देखा जा सकता है। द्विवेदी को पहले उत्तर प्रदेश में युवा संगठन चलाने का अनुभव मिला, फिर सांसद और राष्ट्रीय सचिव के तौर पर काम किया और बाद में असम जैसे राज्य की संगठनात्मक जिम्मेदारी संभाली। अब उनके पास एक साथ दो राज्यों का प्रभार है। बिहार और कर्नाटक दोनों की राजनीतिक परिस्थितियां अलग हैं। राजनीतिक विश्लेषक बीना राय बताती हैं, ÷बिहार में क्ष्क्क का संगठन गठबंधन की राजनीति और राज्य के जटिल सामाजिक समीकरणों के बीच काम करता है। कर्नाटक दक्षिण भारत में अलग राजनीतिक और संगठनात्मक परिस्थितियों में काम करना है।

पेंटिंग के शौक से मिलेगा रोजगार

अगर आप पेंटिंग का शौक रखते हैं और आप को रंगों से खेलना अच्छा लगता है तो आप एक पेंटिंग को अपना पेश बना सकते हैं। अगर आप में कलात्मकता है तो आप इस क्षेत्र में बेहतरीन कॅरियर बना सकते हैं। आज एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर अखबर , मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में काम कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट भी खोल सकते हैं।

बचपन में हम सभी ने अपने हाथों में ब्रश उठाकर पेंटिंग की है। पेंटिंग करना यकीनन हर किसी के मन को सुकून देता है, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते चले जाते हैं, वह शौक कहीं पीछे छूटने लगता है। काम की आपाधापी में ब्रश हाथों से कब दूर चला जाता है, पता ही नहीं चलता। लेकिन अगर आपको पेंटिंग करना बेहद पसंद है तो क्यों न अपने इसी शौक को आप अपना कॅरियर बना लें। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में-

संभावनाएं

पेंटिंग एक बेहतरीन कॅरियर है और एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर न्यूजपेपर, मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में आर्टवर्क की तलाश कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फ्रीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का कोचिंग इंस्टीट्यूट खोलें।

आमदनी

इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपका काम लोगों को कितना पसंद आता है, लेकिन फिर भी शुरूआती दौर में आप बीस से पच्चीस हजार आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ सालों के अनुभव व आपके

क्या होता है काम

एक पेंटर कई तरह के काम करता है। उसका काम घर से लेकर बाहर तक हो सकता है। वह सिर्फ छोटे स्केल पर कागज पर पेंटिंग नहीं करता और न की उसका काम सिर्फ कैनवास तक सीमित है, बल्कि वह घर को नया रुप देने के साथ ही किसी या अन्य बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी अपना कलात्मकता दिखा समा है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में सफलता के लिए सबसे जरूरी है आपका कल्पनाशील होना। इसके अलावा आपको पेंट कलर्स, टोन्स, हाइलाइट व आर्ट के बारे में भी जानकारी होनी चाहिए। आपको कलर्स के शेड्स व उनकी मिक्सिंग की जानकारी भी होनी चाहिए। कई बार एक पेंटर को कई बड़े प्रोजेक्ट करने होते हैं, इसलिए उसे टीम के साथ भी काम करना होता है। साथ ही आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, इसके लिए आप फिजिकली व मेंटली तैयार रहें। एक पेंटर सिर्फ पेंटिंग ही नहीं करता, बल्कि अपने काम को लोगों के सामने पेश भी करता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन व लैंग्वेज स्किल भी अच्छी होनी जरूरी है।

एक पेंटर बनने के लिए अलग से किसी स्पेशल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती। लेकिन पेंटिंग की बारीकियों को समझने और अपना हाथ साफ करने के लिए आप इस क्षेत्र में डिप्लोमा या डिग्री कोर्स जैसे बीए इन पेंटिंग, बीए पेंटिंग, स्कल्पचर, अप्लाइड आर्टस, बीएफए पेंटिंग, कोर्स आदि कर सकते हैं। इसके अलावा

बोर्ड परीक्षा में अच्छे अंकों के लिए करें योजनाबद्ध तैयारी

परिक्षाओं का मौसम चल रहा है। बोर्ड परिक्षाएं भी करीब आ रही हैं। कोरोना महामारी के कारण इस साल छात्रों के स्कूल भी ऑनलाइन रहे हैं। ऐसे में उन्हें परिक्षाओं में बेहतर अंक के लिए और ज्यादा मेहनत करने के साथ ही योजना के अनुसार तैयारी करनी होगी।

इस प्रकार करें तैयारी

परीक्षा की तैयारी शुरू करने से पहले आपको अपना टाइमटेबल बनाना चाहिए। ध्यान रखें कि आपका टाइम टेबल पूरी तरह से सिलेबस के आधार पर तैयार किया गया हो। संभव हो तो ऐसे विषय को ज्यादा तरजीह दें जिन्हें आप कठिन मानते हैं।आप उन विषय को भी समय जरूर दें जो आपके लिए आसान है। ऐसा करने से आप तय समय के अंदर ही सभी विषय के सिलेबस को समय दे पाएंगे। आपकी यह रणनीति परीक्षा में बेहतर नंबर लाने में आपकी मदद करेगा।

खाने का रखें पूरा ख्याल

अक्सर ऐसा देखा जाता है कि छात्र परीक्षा की तैयारी के दौरान खाना-पीना भी सही से नहीं लेते। इसका असर भी उनकी सेहत पर ही पड़ता है। ऐसा करने से परीक्षा की तैयारी करते समय आपके बीमार होने की संभावना बढ़

जाती है। लिहाजा आपको चाहिए कि तैयारी करते समय आप पढ़ाई के साथ-साथ आपको अपने खान-पान का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए।

बीच-बीच में आराम करें

तैयारी करते समय समय-समय पर ब्रेक लेना जरूरी है. पढ़ाई के बीच में लिया जाने वाला यह ब्रेक आपको पहले पढ़ी गई चीजों को दोबारा से दोहराने का मौका देता है. इसके साथ ही यह ब्रेक

आपके मेमोरी को बेहतर करने में भी मददगार होता है. आम तौर पर छात्रों को अपनी पढ़ाई के बीच 10 से 15 मिनट का ब्रेक लेते रहना चाहिए.

कठिन विषय को ज्यादा समय दें

बोर्ड की तैयारी के दौरान आपके पास सीमित समय होता है। ऐसे में आपको चाहिए कि आप उन विषय की तैयारी पहले शुरू करें जो आपके लिए कठिन हैं। बोर्ड की तैयारी शुरू करते समय छात्र का दिमाग

तरोताजा होता है। ऐसे में आपको कठिन विषय की तैयारी में काफी मदद मिलेगी।

जरूरत से ज्यादा तनाव न लें

बोर्ड परीक्षा की तारीखों के नजदीक आते ही अक्सर छात्र तनाव में आ जाते हैं और वह पहले पढ़े हुए चीजों को लेकर भी संदेह में आने लगते है। ऐसे में आपको चाहिए कि आप जरूरत से ज्यादा तनाव न लें। इसका विपरीत असर आपकी ही तैयारी पर भी पड़ता है। इस प्रकार आपका परीक्षा परिणाम बेहतर

आम तौर पर माना जाता है कि एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना है पर यह सही नहीं है। बल्कि लाइब्रेरियन का काम लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया

लाइब्रेरी साइंस का कोर्स कर शुरु करें अपना कैरियर

आज के समय में लोग भले ही सूचनाओं को कंप्यूटर या फोन पर हासिल करने लग गए हों, लेकिन फिर भी किताबों का महत्व उसी तरह बरकरार है। आज भी पढ़ने के शौकीन लोग कई तरह की किताबें, मैगजीन व अखबार आदि पढ़ना पसंद करते हैं और इसके लिए वह लाइब्रेरी का रूख करते हैं। वहां पर पत्र-पत्रिकाओं का एक बड़ा कलेक्शन मौजूद होता है और हर कोई अपनी पसंद की किताब वहां आसानी से पढ़ सकता है। अगर आपको हरदम किताबों से घिरे रहना पसंद है तो लाइब्रेरी साइंस का कोर्स करके बतौर लाइब्रेरियन अपना कॅरियर शुरू कर सकते हैं।

क्या होता है काम

एक लाइब्रेरियन का काम सिर्फ किताबों की सही तरह से व्यवस्था करना ही नहीं होता, बल्कि वह पूरी लाइब्रेरी की देखभाल व उसके लिए बजट तैयार करना होता है। इसके अलावा वह किताबों से संबंधित जानकारी व सूचनाओं को भी मुहैया कराता है। आसान शब्दों में, एक लाइब्रेरी को बेहतर बनाने के लिए जिन भी प्रयासों की आवश्यकता होती है, वह सभी उसके कार्यक्षेत्र के अंतर्गत आते हैं।

स्किल्स

इस क्षेत्र में कदम रखने वाले छात्रों को सबसे पहले तो किताबों से लगाव होना बेहद जरूरी है। अगर आपका किताबों के प्रति रूझान नहीं है तो यह क्षेत्र आपके लिए नहीं है। इसके अलावा आपके भीतर मैनेजमेंट स्किल्स भी होने चाहिए। अगर आपके कम्युनिकेशन स्किल्स भी उतने ही बेहतर होने चाहिए।

योग्यता

इस क्षेत्र में सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर डिप्लोमा, ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन कोर्स उपलब्ध हैं। अगर आप लाइब्रेरी साइंस में एक वर्षीय बैचलर डिग्री प्राप्त करना चाहते हैं तो आपके पास कम से कम स्नातक स्तर की योग्यता होनी बेहद आवश्यक है। ठीक इसी

पैराग्लाइडिंग निर्देशक बन दें लोगों को सही प्रशिक्षण व मार्गदर्शन

आजकल साहसी खेलों के प्रति लोगों का रुझान बढ़ रहा है। ऐसे में लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग निर्देशक का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान करना।

अधिकांशतः जब भी लोग गर्मियों की छुट्टियां मनाने कहीं पहाडी क्षेत्रों में जातें हैं तो वे कुछ अलग और रोमांचक करना चाहते हैं। ऐसे में उनके मन में सबसे पहले पैराग्लाइडिंग करने का ख्याल आता है। लोगों के मन में भले ही जमीन से कई फुट ऊपर उड़ने की चाहत हो, परंतु इसको बिना निर्देशक की मदद के नहीं किया जा सकता। ये प्रोफेशनल्स होते हैं, जो आम लोगों को भी कुछ ही देर में आसमान में उड़ने के लिए प्रशिक्षित करते हैं। जिससे लोगों को कुछ रोमांचक करने की चाहत बढ़ जाती है। इसके लिए पैराग्लाइडिंग निर्देशक की आवश्यकता भी अधिक महसूस की जाने लगी है। तो

क्या होता है कामः आजकल लोगों के मन में पैराग्लाइडिंग के प्रति अलग ही क्रेज देखा जा रहा है, जिसके कारण पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर होना बेहद जरूरी है। एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का मुख्य काम आम लोगों से लेकर टूरिस्ट को सही तरह से टेनिंग व गाइडेंस प्रदान करते हैं। वह उन्हें छोटी से छोटी बारीक बातों की भी जानकारी देते हैं ताकि आम पैराग्लाइडर के साथ कोई अनहोनी घटना न हो। वह ग्राउंड लेवल से लेकर 100 फुट से 1000 फुट तक उंचाई में उड़ने का अभ्यास कराते हैं। कुछ नए पैराग्लाइडर काफी डरते हैं, ऐसे में उनके मन से डर निकालने का काम भी एक पैराग्लाइडिंग इंस्ट्रक्टर का ही होता है।

कैरियर को बनाने में कुछ सहायक बातें ....

यह ऐसा समय है जबकि एक छोटी सी भूल या गलती आपको कैरियर में काफी पीछे ले जाती है। इसी वजह से कैरियर में हमें अनेक बार ऐसा अहसास होता है कि हम समय से काफी पीछे चले गए हैं। सब कुछ अच्छा होते हुए भी कुछ रह जाने का दर्द हमें सालता रहता है। ऐसे ही अहसास से छुटकारा पाने के लिए जरुरी है कुछ टिप्स अपनाने की वो इस प्रकार हैं।

दक्षता पर ध्यान दें: किसी भी क्षेत्र में दक्षता होनी आवश्यक होती है। हो सकता है कि आप समझाते हों कि आप अपने विभाग में या काम करने की जगह पर सबसे ज्यादा योग्य हैं। आपका अकेडमिक नॉलेज बेहद अच्छा है, लेकिन जब तक काम में दक्षता नहीं होगी यह सब बेकार हो जाता है। इसके लिए जरुरी है कि किताबी ज्ञान से इतर करके देखने पर अमल किया जाए। अपनी कार्य और प्रोफाइल के मुताबिक अपने आपको और अधि?क दक्ष बनाएं ताकि आपकी रुकावटें दूर हो सकें और कैरियर बेहतर हो सके।

खुद को बदलने में है समझदारी: अनेक बार हम एक ही जगह लंबे समय तक एक ही तरह का काम करते हुए स्वयं को संतुष्ट कर लेते हैं। यह आपके कैरियर के लिए हानिकारक बात हो सकती है। एक ही जगह या एक ही कंपनी में रहना ठीक है, लेकिन कुछ नया न सीखना या न करना खुद को जांचने और परखने की बजाय जंग लगाने के बराबर है। इसलिए खुद को अप टू डेट रखने के लिए कुछ जरुरी बदलाव लाएं। नई-नई तकनीक और नए नए हुनर सीखने में कोई हर्ज नहीं है।

आत्मविश्वास लाएं

अब आप भले ही योग्य और सीखे हुए हैं लेकिन इसके साथ जरुरी है कि आप में आत्मविश्वास भी हो। काफी अच्छी शिक्षा और आपका कई मायनों में दूसरों से बेहतर होना तब फायदेमंद नहीं होता जबकि आपमें आत्मविश्वास नहीं होता। ऐसे में यह सब बेकार साबित हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि अपने अंदर आत्मविश्वास जगाएं। जरा सोचें कि जब आप आत्मविश्वास से भरे होंगे तभी तो दूसरे आपकी बात पर विश्वास करेंगे।

ईमानदारी जरुर रखें : तमाम बातों के साथ ही साथ आप अपने करियर के प्रति ईमानदार रहें, वर्ना एक छोटा सा झूठ आपके कैरियर में ग्रहण लगा सकता है। कभी भी खुद को लेकर बड़ी-बड़ी बातें न करें। ऐसा करने से लोगों को या आपके बॉस को आपसे उम्मीदें बढ़ती चली जाएंगी और तब जबकि आप उनकी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरेंगे तो यह आपके कैरियर में बैरियर लगाने वाला साबित हो जाएगा। इसलिए अपने काम को बोलने दें और खुद भी ईमानदार रहें।

अतिमहत्वाकांक्षा से बचें: महत्वकांक्षी तो प्रत्येक मनुष्य को होना ही चाहिए, लेकिन अपनी महत्वकांक्षाओं के लिए अगर आप दूसरों को किनारे करेंगे तो यह आपके लिए कुछ समय तक तो सुकून या संतोष देने

न्यूज इन शॉर्ट

गंभीर बीमारी के उपचार में राजेंद्र प्रसाद को मिला संबल

रायपुर। गंभीर बीमारी का इलाज कराना बलरामपुर निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद गुप्ता और उनके परिवार के लिए कठिन होता जा रहा था। उपचार पर बढ़ते खर्च से परिवार की आर्थिक स्थिति प्रभावित हुई। ऐसे समय में मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत 15 लाख रुपए की सहायता स्वीकृत होने से उन्हें उपचार जारी रखने का सहारा मिला। श्री गुप्ता ने बताया कि इलाज का खर्च जुटाने की चिंता के बीच उन्हें योजना की जानकारी मिली। आवेदन के बाद सहायता स्वीकृत हुई, जिससे परिवार को बड़ी राहत मिली। उनके अनुसार, शासन की सहायता के कारण इलाज के लिए उन्हें किसी से कर्ज नहीं लेना पड़ा और न ही घर की जरूरी चीजें गिरवी रखनी पड़ीं। मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना गंभीर बीमारियों के उपचार में आर्थिक सहायता उपलब्ध कराती है। श्री गुप्ता की कहानी बताती है कि समय पर मिली सहायता मरीज के उपचार के साथ पूरे परिवार का हौसला भी बनाए रखती है। श्री गुप्ता ने सहायता के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सेवा भाव की सराहना करते हुए कहा कि जरूरत के समय उन तक पहुँची शासन की सहायता उनके परिवार के लिए संबल बनी है।

स्वर सम्राज्ञी 'भारत रत्न' लता मंगेशकर की जयंती पर वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने किया पुण्य स्मरण

रायपुर। वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने महान सुर साधिका, स्वर सम्राज्ञी और 'भारत रत्न' लता मंगेशकर की जयंती पर उनका पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें सादर नमन किया। उन्होंने कहा कि अपनी अद्वितीय आवाज और संगीत साधना से लता जी ने भारतीय संगीत जगत में एक अमिट छाप छोड़ी है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि लता मंगेशकर ने दशकों तक अपनी मधुर आवाज से हिंदी सिनेमा के संगीत को नई ऊंचाइयां दीं। उनके स्वर में सजे असंख्य गीतों ने संगीत प्रेमियों के हृदय में विशेष स्थान बनाया और पीढ़ियों तक सुने जाने वाले कालजयी गीतों की समृद्ध विरासत देश को दी। उन्होंने कहा कि लता जी की आवाज में भारतीय संस्कृति, संवेदना और भावनाओं की अद्भुत अभिव्यक्ति थी। देशभक्ति के गीतों से लेकर भक्ति और भावप्रधान गीतों तक उनकी गायकी ने हर पीढ़ी को प्रभावित किया। संगीत के प्रति उनका समर्पण और साधना आने वाली पीढ़ियों के कलाकारों को सदैव प्रेरित करती रहेगी। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय संगीत और कला जगत में लता मंगेशकर का अमूल्य योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उनकी जयंती पर उन्हें सादर नमन।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि बनी कृष्णा प्रसाद के लिए खेती का सहारा

एमसीबी। जिले के खड़गवां विकासखंड अंतर्गत ग्राम नेवरी निवासी 42 वर्षीय कृषक कृष्णा प्रसाद मार्को के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना खेती-किसानी के खर्चों को समय पर पूरा करने में महत्वपूर्ण सहारा बनी है। लगभग 2 हेक्टेयर भूमि पर कृषि कार्य करने वाले कृष्णा प्रसाद वर्ष 2019 से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ ले रहे हैं। योजना से प्राप्त आर्थिक सहायता का उपयोग वे खेती के जरूरी कार्यों, विशेषकर बीज, खाद, कीटनाशक और दवाइयों की खरीद तथा बुआई एवं दवाई छिड़काव जैसे कार्यों में करते हैं।

खेती के जरूरी खर्चों के लिए समय पर मिलती है आर्थिक मदद

कृषक कृष्णा प्रसाद बताते हैं कि खेती में मौसम के साथ-साथ समय का भी विशेष महत्व होता है। खेत की जुताई, बुआई, खाद-बीज की व्यवस्था, कीटनाशक एवं दवाइयों की खरीद जैसे कई खर्च एक साथ सामने आते हैं। ऐसे समय में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि से मिलने वाली राशि उनके लिए उपयोगी साबित होती है।वे बताते हैं कि योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे आवश्यकता के अनुसार कृषि सामग्री खरीदने में करते हैं। इससे खेती के दौरान अचानक आने वाले खर्चों को पूरा करने में मदद मिलती है और आर्थिक दबाव कुछ कम होता है।समय पर संसाधन मिलने से आसान हुई खेती

कृष्णा प्रसाद का कहना है कि खेती में यदि बीज, खाद या दवाई की जरूरत के समय पैसा उपलब्ध न हो तो कृषि कार्य प्रभावित हो सकते हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की सहायता से उन्हें जरूरत के समय कृषि संबंधी संसाधन जुटाने में सुविधा मिलती है। समय पर बीज और दवाइयां उपलब्ध होने से वे खेत में आवश्यक कृषि कार्य निर्धारित समय के अनुसार पूरा कर पाते हैं।

मुख्य सचिव ने विभागीय सचिवों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के दिए निर्देश

मुख्य सचिव ने विभागीय सचिवों को समयबद्ध कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के दिए निर्देश

धान खरीदी नीति से लेकर जल प्रबंधन और प्रशासनिक सुधारों की हुई समीक्षा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में आज यहां मंत्रालय महानदी भवन राज्य शासन के सभी विभागों के भारसादक सचिवों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिवों के साथ महत्वपूर्ण योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्धारित कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करने के निर्देश दिए है।

बैठक में धान खरीफ विपणन वर्ष के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल योजनाओं और जल संसाधन विभाग को शहरी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में जल प्रबंधन और उपचार के लिए बेहतर कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया है। नगरीय विकास विभाग को सिटी वाटर प्लान को विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप तैयार करने के निर्देश दिए गए।

ग्राम सभा के आयोजन के लिए निर्धारित 15 से 22 अक्टूबर की अवधि में आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने को कहा गया। परिवहन विभाग को आगामी समय में ई-व्हीकल को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने तथा खाद्य विभाग को सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन पॉलिसी तैयार करने के निर्देश दिए गए।

जिलों की मॉनिटरिंग पर जोर

मुख्य सचिव ने जिलों में योजनाओं और विभागीय कार्यों की प्रभावी निगरानी के लिए स्कोर कार्ड को अंतिम रूप देने को कहा गया, जिससे कलेक्टरों के स्तर पर प्रगति की नियमित मॉनिटरिंग की जा सके। उन्होंने कहा कि कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम को प्रभावी बनाने तथा अक्टूबर माह के लिए पारस पोर्टल से संबंधित प्रस्तावों पर आईटी विभाग के साथ समन्वय कर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

ई-गजट पर निर्देशों की प्रतियां अपलोड करने के निर्देश

मुख्य सचिव ने कहा कि शासन द्वारा बनाए गए सभी विधिक, नियमो, निर्देशों की संदर्भ प्रति ई-गजट पर अपलोड की जाए, ताकि अधिकारियों और संबंधित विभागों को भविष्य में संदर्भ के लिए इनका आसानी से उपयोग किया जा सके।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर महानदी के तटीय क्षेत्रों में राहत-बचाव के लिए प्रशासन मुस्तैद

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार महानदी के बढ़ते जलस्तर और जांजगीर-चांपा जिले के तटीय क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय ने शिवरीनारायण पहुंचकर बैराज, पुल और महानदी के तटीय क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने नदी के जलस्तर एवं बहाव की स्थिति के साथ सुरक्षा, राहत और बचाव की तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी और आवश्यकतानुसार तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर महानदी के तटीय क्षेत्रों में राहत-बचाव के लिए प्रशासन मुस्तैद

कलेक्टर-एसपी ने शिवरीनारायण बैराज और पुल के साथ तटीय क्षेत्रों तथा श्री महंत लालदास महाविद्यालय में बनाए गए राहत शिविर का निरीक्षण किया। राहत शिविर में प्रभावित लोगों के ठहरने के साथ भोजन, स्वच्छ पेयजल, प्रकाश, स्वच्छता और शौचालय सहित सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। अधिकारियों को प्रभावित नागरिकों की सुविधा और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए गए हैं।

'महानदी पुल पर आवागमन बंद, सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई गई'

महानदी के पुल पर पानी का बहाव बढ़ने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से आवागमन बंद कर दिया गया है। कलेक्टर-एसपी ने पुल और आसपास के क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने तथा लोगों को तेज बहाव वाले पानी के पास जाने से रोकने के निर्देश दिए हैं। नदी के जलस्तर एवं बहाव को देखते हुए अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है।

'प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमें सक्रिय, नियमित स्वास्थ्य जांच'

प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की टीमें तैनात हैं और नागरिकों की नियमित स्वास्थ्य जांच की जा रही है। आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ जलभराव के कारण होने वाली संभावित बीमारियों और संक्रमण से बचाव के लिए स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधी जरूरी उपाय किए जा रहे हैं। कलेक्टर-एसपी ने राजस्व, पुलिस, नगर सेना, जल संसाधन और स्वास्थ्य सहित संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए हैं। तटीय एवं जलभराव संभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर प्रभावित लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और राहत-बचाव कार्य शुरू करने के लिए आवश्यक मानव संसाधन एवं अन्य संसाधनों को तैयार रखा गया है।

'तटीय क्षेत्रों में मुनादी, लोगों को सतर्क रहने की समझाइश'

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देशानुसार प्रभावित एवं संवेदनशील क्षेत्रों में नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। तटीय और पूर्व में जलभराव से प्रभावित आबादी वाले क्षेत्रों में मुनादी के माध्यम से नागरिकों को संभावित जलभराव तथा सुरक्षा संबंधी सावधानियों की जानकारी दी जा रही है। नदी के जलस्तर, पुल-पुलियों और आवागमन वाले मार्गों पर लगातार नजर रखी जा रही है, ताकि स्थिति में बदलाव होने पर तत्काल आवश्यक कदम उठाए जा सकें।कलेक्टर-एसपी ने नागरिकों से नदी, पुल, घाट और तेज बहाव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि तेज बहाव वाले पानी के पास सेल्फी या वीडियो सुरक्षा की दृष्टि से बंद किए गए मार्गों और स्थानों पर जाने का प्रयास न करें।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले को दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों की सौगात

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री एवं भटगांव विधायक श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयासों से सूरजपुर जिले में दो महत्वपूर्ण सड़क निर्माण कार्यों को बजट स्वीकृति मिली है। कुल 30.70 किलोमीटर लंबी इन सड़कों के लिए लगभग 8 करोड़ 48 लाख 28 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है।

बजट विवरण के अनुसार, खर्रा से चिकनी भंडारपारा तक 17.50 किलोमीटर सड़क के लिए 5 करोड़ 8 लाख 98 हजार रुपये और कुंजनगर से जमदेई पटेलपारा तक 13.20 किलोमीटर सड़क के लिए 3 करोड़ 39 लाख 30 हजार रुपये स्वीकृत हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि बेहतर सड़कें गांवों के विकास की आधारशिला हैं। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार से जुड़ी सुविधाओं तक पहुंचने में आसानी होगी। उन्होंने कहा कि भटगांव विधानसभा क्षेत्र सहित सूरजपुर जिले में सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।दोनों सड़क कार्य पूर्ण होने पर संबंधित गांवों का प्रमुख मार्गों से संपर्क बेहतर होगा। इससे ग्रामीणों, किसानों और विद्यार्थियों का आवागमन अधिक सुगम होगा।

दमखम, धैर्य और दृढ़ संकल्प से तेजस्विन शंकर ने बढ़ाया भारत का मान, डेकाथलॉन में जीता कांस्य

एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन, वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने दी बधाई

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने एशियन गेम्स 2026 की पुरुष डेकाथलॉन स्पर्धा में कांस्य पदक जीतने पर भारतीय एथलीट तेजस्विन शंकर को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। श्री चौधरी ने कहा कि डेकाथलॉन जैसी चुनौतीपूर्ण स्पर्धा में पदक हासिल कर तेजस्विन शंकर ने अपनी बहुमुखी प्रतिभा, कठिन परिश्रम और अदम्य जज्बे का परिचय दिया है। उनकी यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का क्षण है और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय खेल मंच पर तिरंगे का मान बढ़ाया है।

उन्होंने कहा कि तेजस्विन शंकर का अनुशासन, निरंतर अभ्यास और उत्कृष्ट प्रदर्शन देश के युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायी है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि दृढ़ संकल्प और अथक मेहनत से बड़ी से बड़ी चुनौती को पार किया जा सकता है।

वित्त मंत्री श्री चौधरी ने तेजस्विन शंकर के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में और बड़ी उपलब्धियां हासिल करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

शतरंज की बिसात पर भारत का डबल धमाका, ओपन में रजत और महिला वर्ग में कांस्य पदक

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने उज्बेकिस्तान के समरकंद में आयोजित 46वें स्नद्धष्ठश्च चेस ओलंपियाड 2026 में भारतीय खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर पूरी टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। भारत ने ओपन वर्ग में रजत पदक और महिला वर्ग में कांस्य पदक हासिल कर विश्व शतरंज के मंच पर देश का गौरव बढ़ाया है। श्री चौधरी ने कहा कि शतरंज की बिसात पर भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा, एकाग्रता, धैर्य और रणनीतिक कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है। ओपन वर्ग में रजत और महिला वर्ग में कांस्य पदक देश की शतरंज प्रतिभाओं की उत्कृष्टता को दर्शाता है। भारत ने ओपन और महिला वर्ग के संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर प्रतिष्ठित नोना गैप्रिंडाशविली ट्रॉफी भी अपने नाम की। यह लगातार तीसरा चेस ओलंपियाड है, जिसमें भारत ने यह प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीती है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि भारतीय शतरंज खिलाड़ियों की ये उपलब्धियां देश की नई पीढ़ी को शतरंज से जुड़ने और विश्व स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्होंने भारतीय दल के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और सहयोगी भविष्य की कामना की।

विश्व पर्यटन दिवस पर 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस-2026' का आयोजन

छत्तीसगढ़ के पर्यटन को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने की पहल, देश-विदेश के टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र के प्रतिनिधियों ने लिया हिस्सा

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल एवं छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस-2026' का आयोजन मेफेयर लेक व्यू रिसॉर्ट, नवा रायपुर में किया गया। आयोजन का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को देश-विदेश के पर्यटन बाजार से जोड़ना, पर्यटन कारोबार को बढ़ावा देना तथा प्रदेश में पर्यटकों की संख्या बढ़ाने के लिए पर्यटन उद्योग से जुड़े विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाना था। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित विभिन्न राज्यों, विशेषकर पड़ोसी राज्यों के टूर ऑपरेटर्स, ट्रैवल एजेंट्स, होटलियर्स, होम-स्टे संचालकों तथा विदेशी टूर एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा ने की। इस अवसर पर पर्यटन विभाग के सचिव डॉ. एस. भारतीदासन, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के प्रबंध संचालक श्री सौमिल रंजन चौबे, एलियांज इंडिया एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगदीप भगत, छत्तीसगढ़ ट्रैवल ट्रेड एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री जसप्रीत भाटिया, श्री कपिल जैन, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही कलेक्टर श्री विजय दयाराम के., होटल मेफेयर के जीएम श्री नीलेश, जिला पंचायत जीपीएम के सीईओ श्री मुकेश रावटे सहित पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि एवं पर्यटन मंडल के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

पर्यटन को रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जोड़ने पर जोर

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यटन केवल घूमने-फिरने का माध्यम नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति, इतिहास, विरासत और स्थानीय अर्थव्यवस्था को जोड़ने वाला महत्वपूर्ण क्षेत्र है। छत्तीसगढ़ के पास बस्तर की जीवंत जनजातीय संस्कृति, सरगुजा की प्राकृतिक सुंदरता, चित्रकोट और तीरथगढ़ जैसे जलप्रपात, सिरपुर की ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक विरासत, राजिम की धार्मिक आस्था, भोरमदेव की स्थापत्य कला और बारनवापारा का वन्यजीवन जैसी विविध पर्यटन संपदाएं हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। पर्यटन विकास का उद्देश्य केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण, कारीगरों एवं कलाकारों के लिए बाजार तथा ग्रामीण एवं जनजातीय समुदायों के लिए आजीविका के नए अवसर तैयार करना भी है।श्री अग्रवाल ने कहा कि 'सेंट्रल इंडिया कनेक्ट छत्तीसगढ़ मार्केट प्लेस' पर्यटन कारोबारियों को देश-विदेश के पर्यटन बाजार से जोड़ने का महत्वपूर्ण मंच है। इससे व्यावसायिक साझेदारी बढ़ाने, नए पर्यटन बाजारों से जुड़ने, नए टूर पैकेज विकसितसे अधिक पर्यटकों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

बढ़ई कामेश्वर प्रजापति को श्रमिक पेंशन से मिला आर्थिक संबल

एक सत बुलेटिन ➤ रायपुर

छत्तीसगढ़ में पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के लिए संचालित कल्याणकारी योजनाएं उनकी रोजमर्रा की जरूरतों में सहारा बन रही हैं। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत सतपता निवासी श्री कामेश्वर प्रजापति की कहानी इसका उदाहरण है। बढ़ई का काम करने वाले श्री प्रजापति को मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक पेंशन सहायता योजना के तहत हर महीने 1,500 रुपये की सहायता मिल रही है। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत अपना अनुभव साझा करते हुए श्री प्रजापति बताते हैं कि पेंशन की राशि से वे दवाइयां खरीदते हैं और घर की अन्य आवश्यकताएं पूरी करते हैं। नियमित रूप से मिलने वाली इस सहायता से दैनिक खर्चों की व्यवस्था में उन्हें सहूलियत हुई है। उन्होंने योजना का लाभ मिलने पर राज्य शासन के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री प्रजापति ने अन्य पात्र श्रमिकों से भी श्रम विभाग में पंजीयन कराने की अपील की। अनुसार विभाग की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।